हरिभूमि
रायपुर भूमि

रेलयात्रा में बेहाल हो रहे यात्री...

रायपुर। गर्मी में बढ़ते तापमान के बीच स्लीपर-जनरल कोच में यात्रा करना बड़ा दुखदाई है।कोच के पंखे यात्रियों को राहत पहुंचाने पर्याप्त नहीं होते, वहीं भीड़ की वजह से गर्मी बढ़ना भी स्वाभाविक है। ऐसे में यात्री बोतलों का ठंडा पानी पीकर शरीर को राहत पहुंचाने की कोशिश करते दिखते हैं।

20 दिनों बाद चलेगी समता और गोंडवाना, दिल्ली के लिए अब दिन में 4 ट्रेन, कन्फर्म जून के बाद ही

- छत्तीसगढ़, समता, गोंडवाना में तीन दिन पहले से ही स्लीपर और एसी कोच की बुकिंग होने लगी बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

20 दिनों के लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर समता, गोंडवाना और छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस पटरियों पर लौट आई हैं। इसके बावजूद राजधानी से दिल्ली का सफर यात्रियों के लिए आसान नहीं हुआ है। ट्रेनों का परिचालन शुरू होने से अब दिनभर में दिल्ली के लिए चार ट्रेनों की सुविधा तो मिल गई है, लेकिन यात्रियों की भारी भीड़ के कारण स्लीपर से लेकर थर्ड एसी तक की बुकिंग फुल चल रही है।

पूरा मई का महीना वेटिंग में है और यात्रियों को 1 जून के बाद ही दिल्ली के लिए कन्फर्म टिकट मिल पा रहे हैं। स्थिति यह है कि यात्रा की तारीख से एक ⏭शेष पेज 13 पर

26 से लौटेगी छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस

गोंदिया स्टेशन पर नए ट्रैक के काम के चलते बीते 5 अप्रैल से रद्द चल रही छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस अब 25 अप्रैल के बाद पटरियों पर लौटने जा रही है। 26 अप्रैल से इस ट्रेन का परिचालन दोबारा शुरू होगा, लेकिन यात्रियों की परेशानी कम होती नजर नहीं आ रही है। ट्रेनों के इतने दिनों तक रद्द रहने के कारण बुकिंग का दबाव इतना अधिक बढ़ गया है कि 24 अप्रैल से ही ⏭शेष पेज 13 पर

खेमानी के घर से पुलिस ने जब्त किए महत्वपूर्ण दस्तावेज

सट्टे के 'बाबू' की थाह लेने घर पहुंची पुलिस संपत्तियों की पतासाजी, दस्तावेज किए जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर सटोरिया बाबू खेमानी की संपत्ति की जांच करने शुक्रवार को गंज थाने की पुलिस उसके निवास पहुंची। पुलिस इस बात की जानकारी जुटा रही है कि बाबू खेमानी कितने लंबे अरसे से ऑनलाइन सट्टा का कारोबार कर रहा है। इसके साथ ही उसने सट्टा से अब तक कितने करोड़ रुपए की संपत्ति अर्जित की है, यह भी पता लगाया जा रहा है। सटोरियों के खिलाफ लगाम लगाने पुलिस उनकी संपत्ति अटैच करने की कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में ऑनलाइन थ्री स्टंप्स एप बनाकर आईडी बेच सट्टा संचालित करने वाले बाबू खेमानी पर पुलिस ने धीरे-धीरे शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। ऑनलाइन क्रिकेट के साथ अन्य सट्टा में बाबू तथा उसके परिवार के भाई तथा अन्य रिश्तेदार संलिप्त हैं। पुलिस को जानकारी मिली है कि बाबू खेमानी महादेव सट्टा एप की तर्ज पर अलग से सट्टा संचालित करने अपना अलग साम्राज्य स्थापित करना चाहता था। इसके लिए उसने अपने परिवार से जुड़े लोगों के साथ रिश्तेदार तथा परिचित कारोबारियों को अपने साथ जोड़ा और सट्टा संचालित करने लगा।

- बाबू का भाई अब तक फरार, पुलिस कर रही पतासाजी

पुलिस ने जब्त किए महत्वपूर्ण दस्तावेज

जांच करने पहुंची पुलिस की टीम ने बाबू खेमानी के घर से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं और जांच के लिए लेकर गई है। बताया जा रहा है, खेमानी के घर से पुलिस ने जो दस्तावेज जब्त किए हैं, उनमें संपत्ति संबंधी दस्तावेज के साथ बाबू खेमानी की विदेश दौरे से जुड़ी जानकारी शामिल है। बाबू के साथ कौन-कौन और लोग जुड़े थे, पुलिस इस बात की भी अलग से पड़ताल कर रही है।

अन्य बैंक अकाउंट, ट्रांजेक्शन की जानकारी जुटाई जा रही

बाबू खेमानी के घर से पुलिस ने कई एटीएम कार्ड जब्त किए हैं। इसके साथ ही बाबू खेमानी के पास और कितना म्यूल अकाउंट है, उन अकाउंट में कितने का दो साल के भीतर ट्रांजेक्शन हुआ है, पुलिस इस बात की भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस के अपने सूत्रों से जानकारी मिली है कि बाबू के पकड़े जाने के बाद उसके परिजनों ने कई म्यूल अकाउंट के साथ चेक बुक अपने अन्य रिश्तेदारों के साथ परिचितों के यहां छिपाकर रख दिया है।

पूर्व में गिरफ्तार सटोरियों से पूछताछ

सट्टा संचालित करने के आरोप में पूर्व में गिरफ्तार सटोरिये, जिनके बाबू खेमानी से जुड़े होने की आशंका है, पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। बाबू के गिरफ्तार होने के बाद उससे जुड़े एक दर्जन से ज्यादा सटोरियों के गायब होने या शहर छोड़ देने की जानकारी पुलिस को मिली है। बाबू से जुड़े जो सटोरिये फरार हैं, उनके बारे में पुलिस पतासाजी कर रही है।

सोशल मीडिया की आड़ में सट्टा खेलने प्रेरित करता था

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर होने का फायदा उठाते हुए बाबू खेमानी अपने फॉलोवर के स्टेटस के बारे में जानकारी जुटाकर उन्हें अपने जाल में फंसाकर सट्टा खेलने प्रेरित करता था। इसके साथ ही बड़े कारोबारियों से संपर्क कर उन्हें मुनाफा मिलने का झांसा देकर सट्टा के कारोबार में जोड़ने का काम करता था।

चेक बाउंस के थोक में मामले, दो दिनों में 250 से ज्यादा वारंट तामील

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चेक बाउंस के मामलों को हल्के में लेना भारी पड़ रहा है। केस दर्ज होने के बावजूद कोर्ट में पेश नहीं हो रहे आरोपियों को अब घेरा जा रहा है। रायपुर में दो दिनों में चेक बाउंस के 250 से ज्यादा वारंट तामील कर सिलसिला शुरू किया गया है।

- कोर्ट की नाराजगी के बाद पुलिस चला रही अभियान

गौरतलब है, वित्तीय लेन-देन में गड़बड़ी कर चेक बाउंस के हर माह सैकड़ों की संख्या में पुलिस कमिश्नरेट के अलग-अलग थानों में मामले दर्ज किए जा रहे हैं। इससे स्थानीय अदालतों में चेक बाउंस के प्रकरणों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। लोक ⏭शेष पेज 13 पर

जमानतीय अपराध होने की वजह से ध्यान नहीं देते

चेक बाउंस का प्रकरण जमानतीय और कंपाउंडेबल (समझौता करने योग्य) अपराध है। दोषी पाए जाने पर 2 साल तक की जेल या चेक राशि का दोगुना जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं। समन मिलने पर कोर्ट में उपस्थित होकर जमानत लेनी होती है। समन मिलने के बाद कोर्ट नहीं आने पर गैर-जमानती वारंट जारी हो सकता है, लेकिन फिर भी जमानत मिल सकती है। इस कारण चेक बाउंस के आरोपी समंस जारी होने पर भी कोर्ट में उपस्थित नहीं होते।

विशेष अभियान चलाया जा रहा

चेक बाउंस प्रकरणों के पेंडिंग चालान की तामिली के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। वारंट तामिली करने एक नोडल अफसर की नियुक्ति की गई है। नोडल अफसर की निगरानी में रोजाना सैकड़ों की संख्या में चेक बाउंस प्रकरण की वारंट तामिली कराई जा रही है।

- डॉ. संजीव शुक्ला, पुलिस कमिश्नर रायपुर

जय हिन्द

MAHARAJA AGRASEN INTERNATIONAL COLLEGE

MAIC

Affiliated to Pt. Ravishankar Shukla University (UGC),
NAAC Accredited B+ (Run by Shree Maharaja Agrasen Charitable Trust)

The Premier Institute of Chhattisgarh

BE A CREATOR, BE A LEADER

Admissions Open
SESSION 2026-27

OFFERS ADDITIONAL CERTIFICATION COURSES
- Generative AI Tools (ChatGPT, Gemini, Canva AI, Midjourney).
- Data Analytics with Excel & Power BI.
- Content Creation & Personal Branding.
- Tally with GST

Programs Offered
B.Voc (FASHION DESIGN)
B.Voc (INTERIOR DESIGN)
- MA (Eng. Literature)
- M.Sc. (CS) B.Sc. (CS)
- PGDCA • BCA
- B.Com • M.Com • DBM
- BBA • B.A. • D.El. Ed • B.Ed

Training And Placement Assistance

Attractive Scholarship For Deserving Students

Futuristic Courses :
MUSIC I DANCE I PROFESSIONAL GROOMING

For Admission Helpdesk Number-
0771-4024459, 4066664 97709-71171

" You are the creator of your Own Destiny

Inspiring reasons to choose MAIC

E-Library · Skill Development Programs · Rovers & Rangers · JCI Raipur MAIC United · MAIC Music · Sports · GDM

Like & Follow us on our Maharaja Agrasen International College @informaic

Shree Ramnath Bhimsen Marg, Samta Colony, Raipur

maic_raipur@yahoo.co.in www.maicindia.org

Jinkushal Jewellers

सिर्फ 4% मेकिंग चार्जेस पर

अपकी मेहनत की कमाई का असली मोल हम समझते हैं।

सोने को अपना तीसरा बच्चा मानो !!

अधिकतर परिवारों में दो बच्चे होते हैं। हम आपसे कहते हैं कि सोने को अपना तीसरा बच्चा मानिए।
हर साल जितना खर्च आप एक बच्चे पर करते हैं, उतना ही सोने में निवेश करें।
ऐसा 25 साल तक करें। 25 साल बाद, आपके अपने बच्चे आपकी देखभाल करें या न करें,
लेकिन यह तीसरा बच्चा आपके शेष जीवन की बहुत अच्छी तरह से देखभाल करेगा।

आज ही ज्वाइन करें जिनकुशल की नन्हीं कली योजना

GROW AND GLOW Thank You !

दीजिए अपने बच्चों को अनमोल तोहफा

पापा नन्ही कली का नन्हा सोना

सर्वोत्तम बचत · सर्वोत्तम गहा बोनस · क्रेडिट फैसिलिटी · बोनस पाईंट · ज्वाइनिंग गिफ्ट · अन्य फायदे

HALLMARK GOLD & 999 HALLMARK SILVER COIN & JEWELLERY AVAILABLE

सुविधाएं :
पुराना सोना/चांदी बदलने की सुविधा | गोल्ड ज्वैलरी आसान किस्तों में उपलब्ध | डेली गोल्ड भाव व ऑफर्स के लिए WhatsApp करें

*T&C Apply

जिनकुशल ज्वेलर्स

Ratnaprabha, Satti Bazar Chowk, Raipur (C.G.)
+ 9827995000 jinkushaljewellers.myshopify.com

खबर संक्षेप

नपाध्यक्ष डॉ जैन ने किया मुक्तिधाम का निरीक्षण

आरंग। नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत नया तालाब के पास स्थित नगर के मुक्ति धाम में व्याप्त गंदगी और अव्यवस्थाओं को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष डॉ संदीप जैन ने आज सुबह मुक्तिधाम का निरीक्षण किया है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियो को सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने और अव्यवस्थाओं को सुधारने के आवश्यक निर्देश दिया गया। नगर पालिका अध्यक्ष ने स्पष्ट शब्दो में अधिकारी कर्मचारियो को निर्देश देते हुए कहा कि मुक्तिधाम जैसी जगह पर लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान राकेश गुप्ता, नगर पालिका के इंजीनियर केशनाथ साहू, राजेश साहनी, नरेन्द्र साहनी सहित पालिका के कर्मचारी उपस्थित थे।

विस स्तरीय एनएसयूआई की कार्यकारिणी घोषित

आरंग। आरंग विधानसभा क्षेत्र में नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) का संगठन लगातार मजबूत होता नजर आ रहा है। इसी कड़ी में देर रात संगठन विस्तार करते हुए विधानसभा स्तर पर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसे आगामी कार्ययोजना और संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह नियुक्तियां नीरज पांडे, पूर्व मंत्री शिवकुमार डहरिया तथा रायपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी की सहमति से की गईं। आरंग विधानसभा अध्यक्ष अजीत कोसले ने नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए संगठन को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया। नवगठित कार्यकारिणी में घनश्याम परमार, वरुण साहू और प्रयांश रात्रे को महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं दीपक वर्मा, लिलक घृतलहरे और मनीष सेन को सचिव पद पर नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि युवाओं को जिम्मेदारी देकर संगठन को नई ऊर्जा देने का प्रयास किया जा रहा है। नई टीम के साथ छात्रहित, शिक्षा से जुड़े मुद्दों और सामाजिक सरोकारों पर सक्रियता से काम किया जाएगा। संगठन विस्तार के बाद कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और सभी ने मिलकर एनएसयूआई को आरंग विधानसभा में और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया है।

सामाजिक कार्यकर्ता ने उठाई देशव्यापी शराबबंदी की मांग

आरंग। छत्तीसगढ़ की माटी से एक बार फिर शराबबंदी की मांग मुखर हुई है। आरंग विकासखंड के ग्राम पंचायत गौरभाट के जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता नारायण साहू ने समाज में बढ़ते अपराध, बिखरते परिवारों और युवाओं में बढ़ती नशे की लत पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए शासन प्रशासन से देशव्यापी शराबबंदी की पुरजोर अपील की है। उन्होंने अपने वक्तव्य में स्पष्ट किया है कि शराब अब केवल एक व्यक्तिगत व्यसन या स्वास्थ्य समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह देश के आर्थिक और सामाजिक पतन का एक मुख्य कारण बन चुकी है। नारायण साहू का मानना है कि जब तक सरकारें शराब को केवल राजस्व प्राप्ति का जरिया मानती रहेंगी, तब तक एक सशक्त और सुरक्षित समाज की कल्पना करना असंभव है। अपनी मांग के पीछे के ठोस कारणों को विस्तार से बताते हुए नारायण साहू ने कहा कि शराब का सबसे विनाशकारी प्रभाव महिलाओं और बच्चों पर पड़ता है। नशे की हालत में होने वाली घरेलू हिंसा न केवल परिवारों को जड़ से तोड़ रही है, बल्कि बच्चों के मानसिक विकास और उनके भविष्य को भी।

निधन

भरत लाल साहू

आरंग। ग्राम बैहार निवासी 55 वर्षीय भरत लाल साहू का शुक्रवार

को आकस्मिक निधन हो गया। उनके अंतिम संस्कार मे परिजन व ग्रामीण शामिल हुए। वे मोहनी बाई के पति एवं कोमल व विकास साहू के पिता थे।

गंगरेल जलाशय से छूटा पानी, रीवा समेत कई गांवों को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

महानदी मुख्य नहर किनारे बसे अन्य गावो की तरह ग्राम रीवा में इन दिनों राहत और खुशी का माहौल साफ तौर पर देखा जा सकता है। गंगरेल बांध (रविशंकर सागर जलाशय) से निस्तारी के लिए छोड़े गए पानी ने कुकरा रोड स्थित सड़क किनारे के नैया तालाब को पूरी तरह लबालब भर दिया है। भीषण गर्मी की दस्तक के बीच तालाब में पानी का यह भराव किसी वरदान से कम नहीं है, जिससे गांव में मानो समय से पहले ही बरसात जैसा नजारा बन गया है। नहर के माध्यम से पहुंचे इस पानी ने वर्षों पुराने तालाब को नया जीवन दे दिया है। साफ-सुथरा जल, किनारों पर फैली हरियाली और शांत वातावरण ने नैया तालाब को बेहद मनमोहक बना दिया है। अब यह तालाब न केवल ग्रामीणों की जरूरतें पूरी कर रहा है, बल्कि राहगीरों और आसपास के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र भी बन गया है।

निस्तारी संकट से निजात मिलने पर ग्रामीणों में हर्ष

निरस्तारी की समस्या का निदान

ग्रामीणों के अनुसार, लंबे समय बाद तालाब इस तरह लबालब भरा नजर आया है। गर्मी के दिनों में जहां पहले निस्तारी और मवेशियों के लिए पानी की भारी किल्लत रहती थी, वहीं अब इस समस्या से काफी हद तक निजात मिल गई है। तालाब में पर्याप्त पानी होने से दैनिक उपयोग के साथ-साथ पशुओं के लिए भी पानी की व्यवस्था सहज हो गई है। इसके अलावा, क्षेत्र के भूजल स्तर में सुधार की भी उम्मीद जताई जा रही है। इस जनहितैषी पहल के लिए ग्रामीणों ने सिंचाई विभाग (जल संसाधन विभाग) के प्रति आभार व्यक्त किया है। उनका कहना है कि विभाग द्वारा सही समय पर योजनाबद्ध तरीके से पानी छोड़े जाने के कारण ही आज यह तालाब पुनर्जीवित हो सका है। विभाग की सक्रियता और बेहतर जल प्रबंधन की सराहना करते हुए ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी इसी तरह गांवों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाती रहेगी। नैया तालाब की यह वर्तमान स्थिति न केवल प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत कर रही है, बल्कि यह भी साबित कर रही है कि सुनियोजित प्रयासों से जल संसाधनों का बेहतर उपयोग कर ग्रामीण जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में सांसद बृजमोहन और विधायक अनुज रहे शामिल

सीईओ व सचिव के समर्पण से स्वराज की संकल्पना को बल मिला : मुख्यमंत्री साय

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

जिला प्रशासन की नवाचार योजना 'स्मृति पुस्तकालय' आज ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और जागरूकता की नई इबारत लिख रही है। इस योजना को धरातल पर उतारने और जन-जन को पुस्तक दान के लिए प्रेरित करने में जनपद पंचायत धरसींवा के सीईओ आशीष केशरवानी व ग्राम पंचायत चरौदा के सचिव अमर चंद साहू ने एक मिसाल पेश की है। उनके इसी समर्पण और उत्कृष्ट कार्यप्रणाली को देखते हुए राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, सांसद बृजमोहन अग्रवाल और क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा की गरिमामय उपस्थिति में अमर साहू को मिली यह उपलब्धि पूरे धरसींवा क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन गई है।

- मुख्यमंत्री साय व विधायक अनुज शर्मा ने सचिव अमर साहू किया सम्मानित

अमर चंद साहू की कार्यशैली की पहचान केवल चरौदा तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे पूर्व ग्राम परसतराई और गिरौद में दी गई उनकी सेवाओं को आज भी वहां के ग्रामीण याद करते हैं। इन गांवों में विकास कार्यों को गति देने और शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में उन्होंने जो उम्दा कार्य किए, उसी अनुभव और लगन का लाभ आज चरौदा को मिल रहा है। 'स्मृति पुस्तकालय' अभियान के तहत उन्होंने ग्रामीणों को अपने पूर्वजों की याद में पुस्तकें दान करने के लिए इस कदर प्रेरित किया कि आज यह नवाचार एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है।

सम्मान समारोह के दौरान मंच से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अमर साहू के प्रयासों को सराहते हुए कहा कि जब एक पंचायत सचिव अपनी जिम्मेदारी से ऊपर उठकर समाज निर्माण का बीड़ा उठाता है, तब ग्राम स्वराज की संकल्पना साकार होती है। कार्यक्रम में मौजूद धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने भी सचिव अमर साहू की पीठ थपथपाई और उनके कार्यों की प्रशंसा करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि धरसींवा विधानसभा के लिए यह गौरव क्षण है। विधायक शर्मा ने कहा कि स्मृति पुस्तकालय जैसी योजनाएं युवाओं के भविष्य को गढ़ने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने अमर साहू को कर्मठ सचिव बताते हुए कहा कि जिस तरह उन्होंने परसतराई और गिरौद के बाद अब चरौदा में अपनी कार्यक्षमता का लोहा मनवाया है, उससे अन्य पंचायतों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। विधायक ने विश्वास जताया कि ऐसे प्रयासों से ही प्रदेश का ग्रामीण अंचल बौद्धिक रूप से समृद्ध बनेगा।

मुख्यमंत्री के हाथों सम्मान पाकर उत्साहित अमर चंद साहू ने कहा, /"यह सम्मान मेरे उन सभी साथियों और ग्रामीणों का है जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। परसतराई और गिरौद से जो कार्य करने का जज्बा मुझे मिला, उसे ही मैं चरौदा में आगे बढ़ा रहा हूँ। हमारा लक्ष्य है कि धरसींवा जनपद के माध्यम से हर पंचायत में इस योजना को विस्तार मिले। स्मृति पुस्तकालय के जरिए हम केवल किताबें नहीं बांट रहे, बल्कि युवाओं को उनके सपनों को सच करने का एक मंच दे रहे हैं। मैं चाहता हूँ कि आने वाले समय में हमारा हर गांव ज्ञान की रोशनी से जगमगाए।

समुचित विकास के लिए जनगणना सर्वेक्षण में सही जानकारी दें: डॉ जैन

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

जनगणना 2026-27 को लेकर जनजागरूकता बढ़ाने हेतु नगर पालिका अध्यक्ष डॉ संदीप जैन ने एक अपील जारी करते हुए सभी नागरिकों से जनगणना में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल एक सरकारी प्रक्रिया नहीं है बल्कि देश और क्षेत्र के समग्र विकास की आधारशिला है।

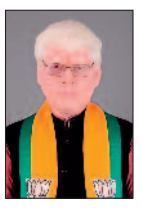

जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर ही सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास एवं बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं का निर्माण करती है। जिससे हर वर्ग तक योजनाओं का लाभपहुंच सके। डॉ संदीप जैन ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग स्व-गणना में भाग लें तथा अपने परिवार की सही और पूर्ण जानकारी दर्ज करें। उन्होंने यह भी कहा कि जब प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करें, तब उनका सहयोग करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने आगे कहा कि सटीक और सही जानकारी से ही विकास की योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू हो सकती हैं। यदि आंकड़े सही होंगे, तो शासन-प्रशासन द्वारा बनाई गई योजनाएं जरूरतमंद लोगों तक आसानी से पहुंच पाएंगी और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ सुनिश्चित होगा। अंत में उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि जनगणना 2026-27 को सफल बनाने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं और देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनें।आपको बता दे की जनगणना की प्रारंभिक प्रक्रिया के चलते घरों के नम्बरिंग का कार्य शुरू हो चूका है।

पानी-सफाई-सड़क के मुद्दे पर भाजपा चुप, विशेष सभा के बहाने राजनीति

रायपुर। पूर्व महापौर एजाज ढेबर ने नगरीय प्रशासन विभाग के निर्देश पर पर महिला सशक्तिकरण के विषय पर बुलाई जा रही विशेष सामान्य सभा को लेकर गंभीर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि विशेष सामान्य सभा का उद्देश्य आपातकालीन और जनहित के मुद्दों पर चर्चा करना होता है, लेकिन वर्तमान में इसका उपयोग राजनीतिक एजेंडा आगे बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। ढेबर ने सवाल उठाया कि शारदा चौक–तात्यापारा चौक सड़क चौड़ीकरण जैसे महत्वपूर्ण और लंबे समय से लंबित मुद्दे पर, जिसकी मांग सभी दलों के पार्षदों ने की है, उस पर विशेष सामान्य सभा क्यों नहीं बुलाई गई? वहीं शहर में पानी, सफाई और गर्मी से राहत जैसे गंभीर विषयों पर भी चर्चा से बचा जा रहा है।

वास्तविक स्थिति को समझने के लिए फील्ड सर्वेक्षण जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

राष्ट्र की प्रगति और योजनाओं के सटीक क्रियान्वयन के लिए आधार स्तंभ मानी जाने वाली जनगणना प्रक्रिया को लेकर शासन के निर्देशानुसार पंडित श्यामा चरण शुक्ल महाविद्यालय, धरसींवा में विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। दो अलग-अलग चरणों में आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 16 से 18 अप्रैल और पुनः 20 से 22 अप्रैल तक सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस छह दिवसीय सघन प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स और प्रशिक्षुओं के बीच ज्ञान का जीवंत आदान-प्रदान देखने को मिला, जिससे आगामी जनगणना कार्य के लिए एक कुशल कार्यबल तैयार हुआ है।

- धरसींवा के शुक्ल महाविद्यालय में जनगणना प्रशिक्षण संपन्न

प्रशिक्षण का संचालन अनुभवी मास्टर ट्रेनर्स श्रीमती चंचल शुक्ला (शिक्षक, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सांकरा) एवं श्री रवि सिन्हा (सहायक शिक्षक, शासकीय प्राथमिक शाला पवनी) के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। मास्टर ट्रेनर्स ने तकनीकी बारीकियों और जनगणना के महत्व को बड़ी ही सरलता से प्रशिक्षुओं के समक्ष रखा। प्रशिक्षण के दौरान न केवल सैद्धांतिक पहलुओं पर चर्चा की गई, बल्कि डेटा संकलन में होने वाली व्यावहारिक त्रुटियों को सुधारने के गुर भी सिखाए गए। श्रीमती चंचल शुक्ला ने जहां आंकड़ों की शुद्धता पर जोर दिया, वहीं श्री रवि सिन्हा ने डिजिटल माध्यमों और प्रपत्रों को भरने की सटीक तकनीक से सभी को अवगत कराया।

इस प्रशिक्षण की सबसे बड़ी विशेषता इसका व्यावहारिक पक्ष रहा। प्रथम और द्वितीय बैच के सभी प्रशिक्षुओं ने केवल बंद कमरों में शिक्षा ग्रहण नहीं की, बल्कि वास्तविक परिस्थितियों को समझने के लिए फील्ड कार्य और सर्वे भी किया। कार्यक्रम की सफलता में पंडित श्यामा चरण शुक्ल महाविद्यालय के प्राचार्य श्री कौशल किशोर शर्मा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और सराहनीय रही।

सम्लेश्वरी माता मंदिर में कंसारी समाज ने की पूजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

गुरुवार को कंसारी समाज, आरंग द्वारा स्थानीय सम्लेश्वरी माता मंदिर में भक्ति और श्रद्धा के साथ भव्य हवन-पूजन का आयोजन हुआ। जिसमे समाज के पदाधिकारी, वरिष्ठजन और बड़ी संख्या में सदस्य शामिल हुए।

माता की विशेष पूजा-अर्चना के साथ श्रद्धालुओं ने दर्शन कर आशीर्वाद लिया। पदाधिकारियों ने बताया कि ये परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है और ऐसे आयोजन समाज में एकता, सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण हुआ जिसमें सभी ने भाग लिया। आयोजन को सफल बनाने में सोनू कंसारी, रमेंद्र, अशोक, शम्भू, मुकेश, सुदर्शन, सागर, गोलू, टीभू, चंदू, पवन, कमलेश, महेंद्र, शौर्य, ललित, रामा, मनीष, नेमीचंद, विजय, हन्नू, राजेश, बिज्जू, सूर्या, यशवंत सहित सभी साथियों का सराहनीय योगदान रहा।

लोकनाट्य महोत्सव में समां बांधा, दीपक और परमानंद का सम्मान

आरंग। बुधवार को ग्राम रीवां में प्रथम लोरिक चंदा चंदैनी लोकनाट्य महोत्सव में कलाकारों ने शानदार दी। गौतम चौबे द्वारा कृत लोरिक चंदा लोकनाट्य देऊर गांव बेमेतरा, जय बंजारी दाई छत्तीसगढ़ी चंदैनी पार्टी भिलौनी और बैहार के गंगा साहू की लोक बयार लोक कला मंच मोरध्वज नगरी आरंग की शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों को देर रात तक बिठाए रखा। वहीं इस दरम्यान गंगा साहू ने अपने गीत संगीत के साथ साथ नशामुक्ति, ग्राम में एकता व सामाजिक समरसता का संदेश बनाए रखने जनसमुदाय को संदेश दिया। वहीं ग्राम रीवा निवासी दीपक सारथी को लोरिक चंदा गीत लेखन और नाचा कलाकार परमानंद साहू को उनके बेहतरीन अदाकारी के लिए ग्रामीणों जनप्रतिनिधियों व पीपला फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने श्रीफल व नगद राशि भेंटकर सम्मानित किया। सभी ने कार्यक्रम व आयोजन की सराहना करते रहे।

स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग की आधुनिक तकनीकों को गहराई से समझा और सीखा

नारा के आकाश ने अंतरराष्ट्रीय खेल विज्ञान की परीक्षा में लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

आरंग विकासखंड के अंतर्गत आने वाले छोटे से गाँव नारा की प्रतिभा अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकने को तैयार है। यहाँ के कर्मठ युवा आकाश चंद्राकर ने खेल जगत के बेहद प्रतिष्ठित संस्थान NSNIS पटियाला में आयोजित असका लेवल -2 (ऑस्ट्रेलियाई स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग एसोसिएशन) की व्यावहारिक परीक्षा में सफलता का परचम लहराकर अपनी मेहनत और खेल विज्ञान के प्रति अटूट समर्पण को सिद्ध कर दिया है। आकाश की यह उपलब्धि न केवल उनके गांव के लिए, बल्कि पूरे प्रदेश के खेल जगत के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

पटियाला में आयोजित इस कड़े प्रशिक्षण और परीक्षा के दौरान आकाश को खेल विज्ञान की दुनिया के दिग्गज विशेषज्ञों, स्मिथ और जेम्स का विशेष सानिध्य प्राप्त हुआ। इन अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षकों की देखरेख में आकाश ने स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग की आधुनिक तकनीकों को गहराई से समझा और सीखा कि कैसे वैज्ञानिक पद्धतियों के माध्यम से खिलाड़ियों की क्षमता को चरम स्तर पर पहुँचाया जा सकता है। यह प्रशिक्षण उन्हें भविष्य में उच्च स्तरीय एथलीटों को तैयार करने में मददगार साबित होगा।

हस्तियों से की मुलाकात : इस यात्रा की एक खास उपलब्धि भारत की मशहूर जेवलिन थ्रोअर अन्नू रानी के साथ उनकी मुलाकात रही। आकाश को न केवल उनसे मिलने का सौभाग्य मिला, बल्कि उन्होंने अन्नू रानी के साथ जेवलिन थ्रो की बारीकियों और खेल के दौरान शारीरिक शक्ति यानी 'स्ट्रेंथ' के महत्व पर महत्वपूर्ण तकनीकी चर्चा भी की। एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट के साथ खेल विज्ञान के साझा किए गए ये टिप्स आकाश के बढ़ते आत्मविश्वास और उनकी विशेषज्ञता को दर्शाते हैं। अपनी इस शानदार सफलता का श्रेय आकाश ने अपने गुरुओं और परिवार के निरंतर सहयोग को दिया है। वे खेल विभाग की संचालक श्रीमती तनुजा सलाम मैम के कुशल मार्गदर्शन और प्रोत्साहन को अपनी प्रेरणा का मुख्य स्रोत मानते हैं। साथ ही, उन्होंने गिरीश शुक्ला सर, हिमांशु सर और रश्मि मैम के विशेष सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। उनके पिता प्रहलाद चंद्राकर, माँ खुशबू चंद्राकर, मामा प्रेम कुमार चंद्राकर और विनोद चंद्राकर के अटूट विश्वास और साथ ने उन्हें हर कठिन मोड़ पर संबल प्रदान किया।

छत्तीसगढ़ में अब तक स्व-गणना के लिए 61500 पंजीयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित जनगणना 2027 के लिए डिजिटल स्व-गणना अभियान में अब तक राज्य के 61,503 नागरिकों ने आधिकारिक पोर्टल पर अपने परिवार और व्यक्तिगत विवरण दर्ज करने के लिए पंजीकरण कराया है।

जनगणना संचालन निदेशालय, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पंजीकृत नागरिकों में से 47,419 लोग सफलतापूर्वक अपनी पूरी प्रक्रिया संपन्न कर चुके हैं। वहीं, 14,084 नागरिक पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर चुके हैं और वर्तमान में अपना विवरण जमा कर रहे हैं। भारत के महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त के मार्गदर्शन में संचालित इस पहल का मुख्य उद्देश्य साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण के लिए एक आधुनिक और सटीक डेटाबेस तैयार करना है।

स्व-गणना की यह प्रणाली नागरिकों को घर बैठे विवरण साझा करने की सुविधा प्रदान करती है। जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और समावेशी बन गई है। निवासी ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण प्रणाली के माध्यम से आधिकारिक पोर्टल पर लॉग इन कर सकते हैं। सत्यापन के बाद, वे आवास की स्थिति, घरेलू सुविधाओं और परिवार के सदस्यों के जनसांख्यिकीय विवरण प्रदान करते हैं। प्रक्रिया पूर्ण होने पर, भविष्य के संदर्भ और सत्यापन के लिए एक डिजिटल 'जनगणना संदर्भ संख्या' (CRN) जनरेट की जाती है।

समर्पण करने वाले सभी नक्सलियों का होगा सत्यापन, पिछले जीवन का तैयार होगा ब्योरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों का अब सत्यापन होगा। खास बात ये है कि इस काम के लिए राज्य सरकार ने नक्सल प्रभावित जिलों के पुलिस अधीक्षक (एसपी) को अधिकृत किया है।

सत्यापन के दौरान समर्पितों द्वारा दी गई जानकारी का ब्योरा तैयार किया जाएगा। मार्च में छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त घोषित किया गया है, लेकिन इससे पहले राज्यभर में करीब 2700 नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य में वामपंथी उग्रवाद के खात्मे और नक्सलियों के मुख्यधारा में लौटने की प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार के गृह विभाग (सी-अनुभाग) द्वारा जारी इस नवीन आदेश के तहत, अब नक्सल प्रभावित जिलों के जिला पुलिस अधीक्षकों को आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों द्वारा दी गई जानकारी और विवरण को लेखबद्ध करने तथा उसे अद्यतन (अपडेट) करने के लिए आधिकारिक रूप से नामांकित किया गया है।

केंद्र सरकार के निर्देश का करेंगे पालन

यह निर्णय भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा पूर्व में जारी (2013 एवं 2022) नक्सलियों के आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास कार्ययोजना के दिशा-निर्देशों के परिपालन में लिया गया है। केंद्र सरकार की नीति के बिंदु 6.2 के अनुसार, कोई भी नक्सल कैडर जिला मजिस्ट्रेट, एसपी, रेंज डीआईजी, या अन्य अधिसूचित अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने के लिए स्वतंत्र है।

पिछले जीवन का तैयार होगा ब्योरा

राज्य में नक्सलियों के सत्यापन के पीछे वजह ये है कि समर्पण करने वाले नक्सलियों के पूर्ववृत यानि उनके पिछले जीवन की जानकारी ली जाएगी। आत्मसमर्पित माओवादियों द्वारा दी गई जानकारी को निर्धारित प्रोफार्मा में भरकर संबंधित अधिकारियों को भेजा जाएगा। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि दी गई जानकारी का संबंधित निकायों से सटीक सत्यापन कराया जाए। जानकारों का मानना है कि जिला स्तर पर पुलिस अधीक्षकों को सीधे तौर पर विवरण अपडेट करने के लिए नामांकित करने से पुनर्वास योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक जल्द पहुंच सकेगा और छद्म आत्मसमर्पण जैसी स्थितियों पर लगाम लगेगी।

तीन साल में 2700 से अधिक ने किया है समर्पण

छत्तीसगढ़ में पिछले तीन वर्षों (2024 से 2026 तक) के दौरान नक्सल मोर्चे पर आत्मसमर्पण के आंकड़ों में भारी वृद्धि देखी गई है। आधिकारिक आंकड़ों और रिपोर्टों के अनुसार, जनवरी 2024 से लेकर मार्च 2026 के शुरुआती सप्ताह तक प्रदेश में 2,714 माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में वापसी की है। इनमें से अकेले बस्तर संभाग में जनवरी, 2024 से मार्च, 2026 के बीच 2,625 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। वर्षवार आंकड़ों पर गौर करें तो 2024 में कुल 881 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था, जबकि 2025 में यह संख्या बढ़कर लगभग 1,973 (अक्टूबर तक के आंकड़ों सहित) तक पहुंच गई।

इनामी नक्सली से लेकर नेता और महिलाएं भी

आत्मसमर्पण करने वालों में बड़े कैडर के नेताओं से लेकर निचले स्तर के सदस्य तक शामिल हैं। उदाहरण के तौर पर, मार्च 2026 में एक साथ आत्मसमर्पण करने वाले 108 नक्सलियों में 6 डिवीजनल कमेटी सदस्य (जिन पर 8-8 लाख रुपये का इनाम था), 3 कंपनी प्लाटून कमेटी कमांडर, 18 प्लाटून पार्टी कमेटी सदस्य, 23 एरिया कमेटी सदस्य और 56 साधारण पार्टी सदस्य शामिल थे। महिलाओं की भागीदारी की बात करें तो मार्च 2026 की एक बड़ी घटना में आत्मसमर्पण करने वाले 15 नक्सलियों में से 9 महिलाएं थीं। इसके अतिरिक्त, 2025 के अंत तक समर्पण करने वालों में 10 वरिष्ठ ऑपरेटिव भी शामिल थे, जिनमें से एक पर 1 करोड़ रुपये का इनाम था।

खबर संक्षेप

कांग्रेस का बिजली दफ्तर में प्रदर्शन

रायपुर। प्रदेश के कई जिलों में पॉवर कंपनी के अधिकारियों द्वारा बिजली बिल का पैसा जमा करने के स्थान पर गबन कर लिया गया है। इस मामले में कांग्रेस ने शुक्रवार को डगनिया के पॉवर कंपनी के दफ्तर में जमकर प्रदर्शन किया और एमडी के सामने मांग रखी कि इस गबन के 20 करोड़ रुपए की पूरी वसूली अधिकारियों से की जाए। इसी के साथ अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी की जाए। पूर्व महापौर प्रमोद दुबे से बताया पॉवर कंपनी के अधिकारियों ने आम जनता के पैसों को डकारने का काम किया है। जहां कवर्धा में खेलीडीह में 20 लाख की गड़बड़ी पाई गई है, वहीं शिवरीनारायण के मस्तूरी में 6 करोड़, अंबिकापुर में 3.6 करोड़, बिलासपुर में दो करोड़, राजनांदगांव में डेढ़ करोड़ सहित अलग-अलग स्थानों में 20 करोड़ रुपए की गड़बड़ी अधिकारियों ने की है।

अघोषित बिजली कटौती से लोग परेशान : शुक्ला

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, प्रदेश में भाजपा सरकार आने के बाद जनता को पूरे 24 घंटे बिजली नहीं मिल रही है। पूरे प्रदेश में अघोषित बिजली कटौती हो रही है।

ढाई साल में विद्युत सरप्लस वाला छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कटौती का केंद्र बन गया है। कोई ऐसा दिन नहीं होता जब बिजली दो-चार घंटे के लिए बंद न हो, रात में तो बिजली की स्थिति और भयावह हो जाती है, घंटों बिजली गुल हो जाती है। सरकार एक तो पूरे समय बिजली नहीं दे पा रही, ऊपर से उपभोक्ताओं पर महंगी बिजली का बोझ डाल रही है। प्रदेश के अनेक जिलों में तो पूरी रात बिजली कटौती हो रही है। भाजपा सरकार में आम जनता को मांग के अनुसार बिजली नहीं मिल रही है। बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या से शहर और गांव की जनता जूझ रही है।

पानी-सफाई-सड़क के मुद्दे पर भाजपा चुप, विशेष सभा के बहाने राजनीति

रायपुर। पूर्व महापौर एजाज ढेबर ने नगरीय प्रशासन विभाग के निर्देश पर पर महिला सशक्तिकरण के विषय पर बुलाई जा रही विशेष सामान्य सभा को लेकर गंभीर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि विशेष सामान्य सभा का उद्देश्य आपातकालीन और जनहित के मुद्दों पर चर्चा करना होता है, लेकिन वर्तमान में इसका उपयोग राजनीतिक एजेंडा आगे बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।
श्री ढेबर ने सवाल उठाया कि शारदा चौक–तात्यापारा चौक सड़क चौड़ीकरण जैसे महत्वपूर्ण और लंबे समय से लंबित मुद्दे पर, जिसकी मांग सभी दलों के पार्षदों ने की है, उस पर विशेष सामान्य सभा क्यों नहीं बुलाई गई? वहीं शहर में पानी, सफाई और गर्मी से राहत जैसे गंभीर विषयों पर भी चर्चा से बचा जा रहा है।

गांव के विकास में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका अहम

सीएम साय बोले- पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाकर विकसित भारत की नींव कर रहे मजबूत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के डीडीयू ऑडिटोरियम में आयोजित पंचायत पदाधिकारी सम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, डबल इंजन की हमारी सरकार पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाकर विकसित भारत की नींव को मजबूत कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में गांवों के समग्र विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रियता से ही गांवों का विकास होगा और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचेगा। श्री साय ने कहा, उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत पंचायत प्रतिनिधि के रूप में की थी तथा पंच और सरपंच के दायित्व का निर्वहन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, पंचायत प्रतिनिधि के रूप में गांव के विकास को लेकर जो अनुभव प्राप्त होते हैं, वही आगे बढ़ने में सहायक होते हैं। आज हजारों जनप्रतिनिधि पंचायत से अपना सफर शुरू कर देश के उच्च सदनों तक पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, गांवों को स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर बनाने में पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका है और जमीनी स्तर पर बेहतर कार्य करने से ही प्रभावी नीतियां बनती हैं।

बिजली बिल बकाया समाधान योजना का उठाएं लाभ

मुख्यमंत्री श्री साय ने पंचायत प्रतिनिधियों से कहा, पंचायतों में संचालित सभी गतिविधियों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करें, ताकि गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ सभी विकास कार्य पूर्ण हो सकें। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन 2.0 के अंतर्गत हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके सफल क्रियान्वयन में पंचायतों की जिम्मेदारी बड़ी है और इसे समयबद्ध रूप से पूरा करने में पंचायत प्रतिनिधियों को अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने सुशासन तिहार के आयोजन का उल्लेख करते हुए कहा, इसके माध्यम से आमजनों की समस्याओं के समाधान के लिए शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से सुशासन तिहार के आयोजन और इसके माध्यम से अपने क्षेत्र की समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया, मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना के तहत लंबित बिजली बिलों के भुगतान के लिए विशेष अवसर प्रदान किया जा रहा है, जिसमें सरचार्ज पूरी तरह माफ किया गया है और अतिरिक्त रियायत का भी प्रावधान है। श्री साय ने प्रतिनिधियों से इसका लाभ अधिक से अधिक ग्रामीणों को दिलाने की बात कही। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा, हमारी डबल इंजन की सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मंशा के अनुरूप अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

दो को दी ई-रिक्शा की चाबी

इस दौरान उन्होंने प्रोजेक्ट अजा के तहत बकरी पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दो दीदियों को ई-रिक्शा की चाबी सौंपी। साथ ही प्रोजेक्ट आरोग्यम के कटआउट और प्रोजेक्ट हैंडी के तहत शासन की योजनाओं की संक्षिप्त पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा संचालित इन गतिविधियों से आमजनों को हो रहे व्यापक लाभ के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। सम्मेलन को सांसद बृजमोहन अग्रवाल, राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, विधायक इंद्र कुमार साहू, तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष मोना सेन समेत त्रि-स्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

भाजपा की जिलों में प्रशिक्षण वर्ग की आज बनेगी कार्ययोजना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश भाजपा संगठन के प्रदेश, संभाग और मंडल स्तर के प्रशिक्षण वर्ग के बाद अब जिलों का प्रशिक्षण वर्ग अगले माह से प्रारंभ होगा। इसकी कार्ययोजना बनाने के लिए कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में शनिवार को एक बड़ी बैठक रखी गई है। इस बैठक में प्रशिक्षण वर्ग के क्षेत्रीय प्रभारी गुजरात भाजपा के संगठन महामंत्री रत्नाकर भी शामिल होंगे। इसी के साथ बैठक में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और प्रदेशाध्यक्ष किरण देव सहित प्रदेश संगठन के सभी पदाधिकारी भी रहेंगे।

भाजपा का देश के सभी राज्यों में प्रशिक्षण वर्ग चल रहा है। इसके लिए सभी राज्यों के कई भाजपा नेताओं को मुंबई में प्रशिक्षण दिया गया था। छत्तीसगढ़ के भी 28 नेता वहां से प्रशिक्षण लेकर आए हैं। इसके बाद यहां पर पहले राज्य स्तर, संभागों और मंडलों में प्रशिक्षण वर्ग किया गया है। अब जिलों की बारी है।

■ सभी जिलों के प्रभारी, प्रशिक्षण टोली के सदस्य भी होंगे बैठक में शामिल

जिलों के लिए बनेगी योजना

जिलों में प्रशिक्षण वर्ग के लिए योजना बनाने के लिए ही शनिवार को बैठक रखी गई है। सुबह 10.30 बजे से होना वाली बैठक में सभी जिलों के जिलाध्यक्ष, जिलों के प्रभारी, संभाग के प्रभारियों के साथ ही जिलों की प्रशिक्षण वर्ग की टोली के सदस्य शामिल होंगे। बैठक में तय किया जाएगा कि किस जिले में कब प्रशिक्षण वर्ग होगा। इसके लिए जिले अपनी तिथि बताएंगे। इसके बाद तय होगा कि किस जिले में कौन से प्रवक्ता जाकर प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण में भाजपा की रीति-नीति के बारे में बताया जाएगा। भाजपा के सदस्यता अभियान के बाद संगठन का नए सिरे से गठन किया गया है तो इसमें बूथ से लेकर मंडल, जिलों और प्रदेश में भी ज्यादातर नए पदाधिकारी बने हैं। इनको पार्टी के बारे में बताया जाएगा और यह बताया जाएगा कि क्या-क्या करना है, और कैसे करना है।

न्यू एज मीडिया में दक्ष बनें जनसंपर्क अधिकारी : बंसल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल ने शुक्रवार को नवा रायपुर स्थित संवाद कार्यालय में जनसंपर्क संचालनालय और जिला जनसंपर्क अधिकारियों की बैठक लेते हुए कहा कि वर्तमान दौर में जनसंपर्क अधिकारियों को न्यू एज मीडिया की सभी विधाओं में दक्ष होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ तकनीक और संचार के नए माध्यमों को अपनाना ही प्रभावी जनसंपर्क की कुंजी है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जनसंपर्क का कार्य अत्यंत जिम्मेदारीपूर्ण है, इसलिए इसे पूरी गंभीरता के साथ किया जाना चाहिए और किसी भी प्रकार की कोताही से बचना जरूरी है। जनसंपर्क अधिकारी शासन और जनता के बीच सेतु की भूमिका निभाते हैं, ऐसे में उनकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि परिणाम के अनुरूप हर अधिकारी के कार्य का मूल्यांकन किया जाएगा। बैठक में

जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल ने ली बैठक

विभागीय सचिवों, विभागाध्यक्षों और जिले के कलेक्टरों के साथ नियमित संपर्क और समन्वय बनाएं। इससे सूचनाओं का समयबद्ध और प्रभावी आदान-प्रदान सुनिश्चित होगा, जो शासन की योजनाओं के सही क्रियान्वयन और प्रचार के लिए अत्यंत आवश्यक है।

मीडिया से रखें सतत संपर्क

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के साथ सतत संपर्क और समन्वय बनाए रखा जाए, ताकि योजनाओं की उपलब्धियों और प्रसार सुनिश्चित किया जा सके। जनसंपर्क आयुक्त ने कहा कि सभी अधिकारी सक्रिय और जिम्मेदार तरीके से कार्य करें ताकि शासन की योजनाएं आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंच सकें। वहीं उन्होंने प्रचार-प्रसार कार्य में लापरवाही बरतने पर तीन जिला जन संपर्क अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं। बैठक में अपर संचालक उमेश मिश्रा, संजीव तिवारी, आलोक देव और हर्षा पौराणिक सहित संचालनालय और जिलों के जिला जनसंपर्क अधिकारी मौजूद थे।

बैज बोले- प्रदेश में अपराधी बेखौफ और बेलगाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, जांजगीर-चांपा के जैजेपुर में एक व्यवसायी के घर में घुस कर गोली मारे जाने की घटना बेहद ही चिंता का विषय है। यह घटना राज्य की बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था का एक और उदाहरण है।

जांजगीर-चांपा में व्यवसायी के घर में अपराधियों ने उनके बड़े बेटे की गोली मार कर हत्या कर दी, छोटा बेटा घायल है। अब आदमी अपने घर में भी सुरक्षित नहीं है। अपराधी इतने बेखौफ और बेलगाम हो चुके हैं कि उनमें कानून का जरा भी भय नहीं बचा है।

श्री बैज ने कहा, जांजगीर की घटना के पहले प्रदेश में गैंगवार की अनेकों घटनाएं पिछले ढाई साल में हुई हैं। राजधानी में पांच बार गोलियां चलाई गईं, रायपुर सेंट्रल जेल के सामने गोलियां चलाई गईं, झारखंड के गैंगस्टर रायपुर में गोलीबारी कर चुके हैं, बिलासपुर के मस्तूरी में व्यवसायी के ऊपर गोलियां चलाई गई। अब तो घर में घुस कर गोली मारी जा रही है। श्री बैज ने कहा, साय सरकार में छत्तीसगढ़ अपराध का गढ़ बन गया है। लूट, हत्या, चोरी, डकैती, बलात्कार की घटनाओं के आंकड़े बताते हैं कि राज्य की कानून व्यवस्था बदतर हो चुकी है। हर घटना के बाद सरकार और पुलिस का एक रटा रटाया बयान आता है कि दोषी बख्शे नहीं जाएंगे।

भाजपा बोली- कांग्रेस शासन में अपराधियों का ठिकाना बन गया था मुख्यमंत्री निवास

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजय शंकर मिश्रा ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के बयानों को कोरी सियासत करार देते हुए उन पर कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के शासनकाल में छत्तीसगढ़ में अपराध की स्थिति इतनी भयावह थी कि आम नागरिक घर से बाहर निकलने पर अपनी सुरक्षा को लेकर हर पल सशंकित रहता था। कांग्रेस शासन में मुख्यमंत्री निवास ही अपराधियों का ठिकाना बन गया था। डॉ मिश्रा ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस सरकार के दौरान मुख्यमंत्री निवास से शराब से लेकर सट्टा तक का अवैध कारोबार संचालित होता था। उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री का आवास एक तरह से अपराधियों का नया ठिकाना बन गया था, यह बात किसी से छिपी नहीं है। उन्होंने पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस शासन में जब प्रदेश में अपराध चरम पर था, तब बैज मौन क्यों थे? आज अपनी खिसकती राजनीतिक जमीन को बचाने के लिए वे अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुख, शांति और समृद्धि का वातावरण है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि अप्रिय घटनाएं न हों और कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे। उन्होंने कहा, भाजपा सरकारों के दौरान हमेशा अपराध पर अंकुश लगा है। वर्तमान में 'कांग्रेस समर्थित नक्सलवाद' के खात्मे के लिए जो ऐतिहासिक कार्य हो रहे हैं, उसकी देशभर में प्रशंसा हो रही है। कांग्रेस के बड़े नेता हताशा में कुछ भी कहने को विवश हैं, लेकिन उनकी इन बातों का जनमानस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है। बैज की चिंताएँ पूरी तरह व्यर्थ और राजनीति से प्रेरित हैं।

25 साल में आयोजित हुए 75 सत्र, कई छोटी विधानसभाओं से ज्यादा चर्चा

छत्तीसगढ़ विधानसभा में 25 साल में 15 सौ घंटे से ज्यादा बजट चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा ने हाल ही में अपना रजत जयंती वर्ष मनाया है। इन 25 वर्षों के सफर में विधानसभा ने अपनी अलग पहचान बनाई है। गर्भगृह में जाने पर सदस्यों के स्वयं निलंबन के नियम के कारण देशभर में छत्तीसगढ़ विधानसभा की चर्चा तो है ही, अब बजट चर्चा के मामले में भी छत्तीसगढ़ विधानसभा कई छोटी विधानसभाओं से आगे है। छत्तीसगढ़ विधानसभा में 25 बरसों में आम बजट और पूरक बजट पर 1527 घंटे से ज्यादा चर्चा हुई है, यह 63 दिन के बराबर है।

राज्य स्थापना के बाद पहले सत्र से लेकर दिसम्बर में आयोजित पिछले सत्र तक यानी 25 बरसों में छत्तीसगढ़ विधानसभा के 75 सत्र आयोजित हो चुके हैं। इन सत्रों के दौरान

किस विधानसभा में बजट पर कितनी चर्चा

प्रथम विधानसभा -	8 सत्र	-	126.63 घंटे
द्वितीय विधानसभा-	14 सत्र	-	340.57 घंटे
तृतीय विधानसभा-	13 सत्र	-	351.34 घंटे
चतुर्थ विधानसभा-	17 सत्र	-	364.04 घंटे
पंचम विधानसभा-	17 सत्र	-	202.80 घंटे
षष्ठम विधानसभा-	6 सत्र	-	141.67 घंटे

सरकार द्वारा पेश आम एवं पूरक बजटों पर विस्तार से चर्चा हुई है। ज्यादातर छोटी विधानसभाओं में कम चर्चा के बाद ही बजट पारित कर दिए जाते हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ विधानसभा में विभागवार मांगों के बाद ही बजट पारित किए गए हैं। हर सत्र में पेश होने वाले पूरक बजट पर भी 3-4 घंटे से कम चर्चा कभी नहीं हुई।

डॉ. रमन के सीएम-वित्त मंत्री रहने के दौरान ज्यादा चर्चा

राज्य में द्वितीय से लेकर चतुर्थ विधानसभा के दौरान बजट पर ज्यादा चर्चा हुई है। द्वितीय से लेकर चतुर्थ विधानसभा के दौरान डॉ. रमन सिंह मुख्यमंत्री के साथ-साथ वित्त मंत्री भी रहे। इन्हीं तीनों विधानसभाओं में ही बजट पर ज्यादा चर्चा हुई। तीनों कार्यकाल में सदन में एक हजार घंटे से ज्यादा चर्चा हुई। प्रथम विधानसभा के 3 साल में बजट पर सबसे कम सिर्फ 126 घंटे ही चर्चा हो पाई थी।

सिर्फ एक बार गिलोटिन से बजट पारित

छत्तीसगढ़ विधानसभा के इतिहास में सिर्फ एक बार ही गिलोटिन से बजट पास करने की नौबत आई थी। पंचम विधानसभा में मार्च 2020 के बजट सत्र में कोरोना संक्रमण के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के कारण बिना चर्चा के ही बजट पारित किया गया था। वैसे पंचम विधानसभा के पांच वर्षों में ही सबसे कम सिर्फ 202.80 घंट ही चर्चा ही हुई थी।

25 बरसों में 4 हजार घंटे कुल चर्चा

प्रथम से लेकर षष्ठम विधानसभा तक 25 बरसों में बैठकों में कुल करीब 4 हजार घंटे की चर्चा हुई। यह भी छोटी विधानसभा की तुलना में काफी ज्यादा है। इसमें भी सबसे ज्यादा 933 घंटे की चर्चा द्वितीय विधानसभा में हुई थी, जबकि तृतीय और चतुर्थ विधानसभाओं में बैठकों पर क्रमशः 836 और 845 घंटे चर्चा कार्यसूची के सभी विषयों पर हुई। प्रथम विधानसभा के 3 वर्षों में करीब 538 घंटे चर्चा हुई थी।

डिजिटल बैरियर की मांग पर अड़े प्राध्यापक, वजह-असुरक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि में आयोजित शिक्षक संघ की बैठक में अध्ययनशाला में कार्यरत प्राध्यापकों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कड़े सवाल उठाए हैं। विवि परिसर में बाहरी तत्वों के बढ़ते प्रवेश और नियमित अंतराल में निर्मित हो रही विवाद की स्थिति को देखते हुए डिजिटल बैरियर की मांग की जा रही है। इसके अंतर्गत प्राध्यापकों के गाड़ी के नंबर सिस्टम में अपलोड किए जाएंगे। डिजिटल बैरियर रजिस्टर्ड नंबर वाले वाहनों को प्रवेश की अनुमति प्रदान करेगा,

जबकि अन्य वाहनों को रोके जाने के बाद पूछताछ और आईडी दिखाए जाने पश्चात ही प्रवेश दिया जाएगा। शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो.जितेंद्र प्रेमी ने कहा कि एनआईटी सहित कई राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में इस तरह की व्यवस्था है। इस तर्ज पर रविवि में भी यह व्यवस्था की जानी चाहिए। बैठक में विभिन्न विभागों के अध्यक्ष सहित प्राध्यापक व सहायक प्राध्यापक शामिल हुए।

कैंपस में गाड़ी चलाना सीखते हैं लोग

शिक्षक संघ का कहना है कि रविवि कैंपस में सुबह और देर शाम-रात के दौरान बाहरी व्यक्ति गाड़ी चलाना भी सीखते हैं। रहवासी कॉलोनी में प्राध्यापक अपने परिवार के साथ रहते हैं। ऐसे में उनके साथ दुर्घटना का भय हर वक्त बना रहता है। इस संदर्भ में दिशा-निर्देश कई बार जारी किए जा चुके हैं, लेकिन कभी भी कड़ाई से इनका पालन नहीं हुआ है।

निधन

फणीकांत गुप्ता

रायपुर। राजेंद्र नगर निवासी फणीकांत गुप्ता का 23 अप्रैल को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे गौरव गुप्ता एवं गरिमा गुप्ता जैन के पिता थे।

पुष्पा त्रिवेदी

रायपुर। बलौदाबाजार निवासी पुष्पा त्रिवेदी (85) का 23 अप्रैल को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 24 अप्रैल शाम 4 बजे सिवनी मध्यप्रदेश में किया गया। वे डॉ. महेश चंद्र त्रिवेदी की पत्नी, डॉ. सलिल, डॉ. समीर, स्वाति त्रिवेदी की माता एवं प्रकाश चंद्र, शैलेश नितिन त्रिवेदी, अमित रंजन, निखिलेश चंद्र एवं अखिलेश चंद्र त्रिवेदी की चाची थीं।

बी. चंद्रशेखर अय्यर

रायपुर। सेक्टर-1 शंकर नगर निवासी बी. चंद्रशेखर अय्यर का 24 अप्रैल को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 25 अप्रैल को निवास स्थान से सुबह 9.45 बजे मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे बी. विजयलक्ष्मी के पुत्र, सुरुचि के पति और नितिशा व तन्मय के पिता थे।

डॉ. केजूराम वर्मा

रायपुर। ग्राम टेकारी कुंडा निवासी डॉ. केजूराम वर्मा (83) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 25 अप्रैल को को पूर्वाह्न 10 बजे टेकारी स्थित मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे गणेश, ओंकार व रामकुमार के पिता थे।

रायपुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अब मवेशी नहीं कर पाएंगे प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

रायपुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अब मवेशी प्रवेश नहीं कर पाएंगे, क्योंकि इस मार्ग के दोनों तरफ सड़क किनारे बांस की फेंसिंग की जा रही है। बांस फेंसिंग का कार्य पूर्ण होने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर मवेशी प्रवेश नहीं कर पाएंगे। इससे आवागमन में होने वाली बाधा या मवेशियों के कारण राजमार्ग पर वाहन दुर्घटनाएं भी नहीं होंगी, जिससे मवेशियों के साथ जनहानि से भी बचाव होगा।

लगाई जा रही बांस की फेंसिंग

टिकाऊ के साथ ईको फ्रेंडली

फील्ड निरीक्षण के दौरान बांस फेंसिंग के सकारात्मक परिणाम देखे गए हैं। यह फेंसिंग मवेशियों के लिए प्रभावी अवरोध के रूप में कार्य कर रही है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह टिकाऊ और ईको-फ्रेंडली है। इसके लगने से राजमार्ग पर वाहन दुर्घटनाओं पर अंकुश लगेगा।
- **मुकेश कुमार,** परियोजना निदेशक, कार्यान्यिन इकाई (पीआईयू) बिलासपुर

7 किलोमीटर लंबी फेसिंग का कार्य जारी

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने और राजमार्गों पर मवेशियों के अनियंत्रित प्रवेश को रोकने के लिए बांस फेंसिंग की जा रही है। इसी कड़ी में रायपुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-130) के सिमगा-बिलासपुर खंड में चिन्हित संवेदनशील स्थानों पर बांस फेंसिंग लगाने का कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में इस परियोजना के अंतर्गत लगभग सात किलोमीटर लंबी फेंसिंग का कार्य रायपुर-बिलासपुर खंड के प्रमुख क्षेत्रों में बैकोनी, दामाखेड़ा, देकुना, नांदघाट, टेमरी, किरना, हरदीकला, सिलपहरी और ढेका में किया जा रहा है। इन क्षेत्रों में फेंसिंग लग जाने से स्थानीय ग्रामीणों के पशुधन की सुरक्षा होगी और राजमार्ग पर चलने वाले वाहन चालकों को भी मवेशियों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं से राहत मिलेगी।

शासकीय अस्पतालों में 191 जनौषधि केंद्र, पचास फीसदी के हालात बंद जैसे

सरकारी हेल्थ सेंटरों में सही लोकेशन का लोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

शासन स्तर पर सहयोग के बाद भी सस्ती दवा यानी प्रधानमंत्री जनौषधि केंद्रों की स्थिति संतोषजनक नहीं है। राज्य के सरकारी अस्पतालों में 191 सेंटर संचालित हैं, मगर पचास फीसदी की स्थिति बंद जैसी है। स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले मरीज जरूरी इलाज की आवश्यक दवा के लिए बाहर का रास्ता पकड़ते हैं, इसकी प्रमुख वजह हेल्थ सेंटरों में दवा दुकान की सही लोकेशन नहीं मिलना है।

जिन सरकारी अस्पतालों में जनौषधि सेंटर सही लोकेशन पर हैं, वहां पर्याप्त रिस्पांस मिल रहा और प्रतिदिन दवाओं की अच्छी सेलिंग हो रही है, मगर जिन दवाओं को स्वास्थ्य केंद्रों में सही जगह नहीं मिली है, वहां खरीदारों का टोटा है। राज्य में करीब पांच सौ जन औषधि केंद्र खोलने की योजना है, जिसमें से अभी साढ़े तीन सौ केंद्र संचालित हो रहे हैं। इनमें 191 सस्ती दवा की दुकानें सरकारी अस्पतालों में मौजूद हैं। सूत्रों का कहना है कि इनमें से पचास फीसदी दुकानों की हालत बंद जैसी है, क्योंकि यहां दवाओं की बिक्री सामान्य से बेहद कम है। रायपुर जिले में दो दर्जन स्वास्थ्य केंद्रों में जन औषधि केंद्र खोलने की योजना है, इसके लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है, मगर पर्याप्त संख्या में रिस्पांस नहीं मिल पा रहा है। जिले में एम्स, आंबेडकर अस्पताल, जिला अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में 17 दवा दुकानें संचालित हैं। शेष हेल्थ सेंटरों में दवा दुकान संचालन के लिए आवेदन मंगाए जा रहे हैं, मगर इस पर विभागीय सफलता नहीं मिल रही है। राज्य शासन द्वारा प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों के संचालन के लिए बजट में प्रावधान किया गया है और राज्य के प्राथमिक स्तर के स्वास्थ्य केंद्रों में भी इसे खोलने का लक्ष्य रखा गया है।

सस्ती दवाओं की दुकानों को नहीं मिल रहा बेहतर रिस्पांस

कम मुनाफा भी बड़ा कारण

सूत्रों के मुताबिक प्राइवेट सेक्टर में भी जन औषधि केंद्र खोलने की योजना है, मगर कम मुनाफा की वजह से इस पर ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई जाती। ब्रांडेड दवा कंपनियां अपने प्रोडक्ट के प्रचार-प्रसार पर कई तरह की लुभावने स्कीम देती हैं। तगड़ा मुनाफा के साथ किए जाने वाले बड़े-बड़े विज्ञापन की वजह से अन्य दवा दुकानों की संख्या काफी बढ़ती जा रही है। दूसरी ओर जन औषधि केंद्र पर्याप्त तवज्जो नहीं मिलने के कारण बंद होने जैसी स्थिति में आ रहे हैं।

समस्याओं से अवगत कराएंगे

जन औषधि केंद्र के संचालन में जिस तरह की समस्याएं सामने आ रही हैं, उससे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। केंद्रों की संख्या बढ़ाने लगातार प्रयास किया जा रहा है।
- **अनिश वोडितेलवार,** प्रबंधक, पीएमएमबीआई

सरकारी संस्थानों में भी जगह

शासकीय अस्पतालों के अलावा प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों को सरकारी संस्थानों में भी खोलने की योजना है। वर्तमान में कुछ सुरक्षाबलों के कैंप, सहकारी समिति के कार्यालयों के साथ कुछ अन्य शासकीय कार्यालयों में भी इस सस्ती दवा दुकानों को खोलने की योजना बनाई गई है। लोगों को उनकी आवश्यकता के अनुसार दवा मिल सके, इसके लिए योजना में शामिल ड्रग लिस्ट को भी बड़ा किया गया है।

एक वाहन के भरोसे 12 गांव-दर्जनों कालोनियां विद्युत बंद की शिकायतों पर छूटा विभाग का पसीना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर जिले के सेजबहार विद्युत वितरण केंद्र अंतर्गत 12 ग्राम शामिल हैं। इन ग्राम क्षेत्रों में अब दर्जनों कालोनियां भी बस चुकी हैं। इसके बाद भी क्षेत्र में विद्युत वितरण केंद्र में न ही स्टॉफ की बढ़ोतरी की जा रही है और न ही जरूरत के साधन बढ़ाए जा रहे हैं। इसके कारण इन ग्रामों एवं कालोनियों में बिजली की आपूर्ति बाधित होने की शिकायतों का त्वरित निदान भी नहीं किया जा रहा है। कई बार तो ग्रामों के कई इलाके एवं कालोनियों में शिकायत मिलने के बाद भी स्टॉफ पहुंच नहीं पाता, जिसके कारण इस भीषण गर्मी के दिनों में कई परिवारों को दोपहर में कई घंटों तक तो कभी रातभर बिना बिजली के रहना पड़ता है। इस क्षेत्र के निवासी एवं जिला पंचायत रायपुर के उपाध्यक्ष संदीप यदु ने जनहित से जुड़े इस मामले में विद्युत विभाग के अफसरों से क्षेत्र के विद्युत वितरण केंद्र में स्टॉफ एवं साधन बढ़ाने के साथ सेजबहार को जोन बनाने की मांग की है।

8 कर्मचारी कार्यरत, इनमें 4 लाइन स्टॉफ

क्षेत्र के लोगों से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के सेजबहार स्थित वितरण केंद्र में लगभग 7 से 8 स्टॉफ कार्यरत है। इनमें 4 लाइनमैन स्टॉफ है, जिसमें से 3 संविदा पर कार्यरत हैं। स्टॉफ की तुलना में वितरण केंद्र अंतर्गत 12 ग्राम हैं, लेकिन इन ग्रामों में तथा आसपास लगभग 20 से 25 कालोनियां बन चुकी हैं, जिसके कारण इस क्षेत्र की आबादी भी बहुत बढ़ गई है। बढ़ी आबादी के अनुसार विद्युत वितरण केंद्र में स्टॉफ के साथ साधन की बहुत कमी है, जिसका असर इस क्षेत्र में रहने वालों लोगों को परेशान होना पड़ता है। बिजली बंद की शिकायत करने के बाद भी कई घंटों के बाद विभाग की टीम उसे सुधारने के लिए पहुंच रही है। कई बार तो देर रात में बिजली बंद होने पर टीम ही नहीं पहुंचती है, जिसके कारण दूसरे दिन उस गांव या कालोनी में बिजली की आपूर्ति शुरू हो पाती है। संदीप यदु ने इस मामले को जिला पंचायत के सामान्य सभा में भी उठाते हुए मांग रखी की। इस समस्या का जल्द से जल्दा निराकरण किया जाए।

पेयजल पर महापौर सख्त, नया कनेक्शन से पुरानी पाइप लाइन को नुकसान नहीं हो इसका विशेष ध्यान रखें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर में भीषण गर्मी के दौरान किसी भी वार्ड में पेयजल की समस्या नहीं आनी चाहिए, महापौर मीनल चौबे ने इसे लेकर पहले ही नगर निगम के सभी जोन अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं।

महापौ.र रायपुरा-चंगोराभाठा क्षेत्र में भी पेयजल संकट को लेकर गंभीर हैं तथा लगातार इस क्षेत्र का निरीक्षण कर रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने शुक्रवार को भी इस क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वीकृत पानी का नया कनेक्शन के कारण पुरानी पाइप लाइन को कोई नुकसान नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जब तक चंगोराभाठा में पानी की समस्या है, तब तक जितने भी पानी टैंकर लगें, उपलब्ध कराए जाएं।

- मीनल चौबे ने रायपुरा-चंगोराभाठा क्षेत्र का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

त्वरित कार्य करने के दिए निर्देश

महापौर ने जोन 8 में जलसंकट समाधान पर पार्षदों और अधिकारियों की बैठक ली। इसमें उन्होंने चंगोराभाठा और रायपुरा कमांड एरिया को अलग करने का निर्देश का पालन हुआ या नहीं, इसकी समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि इसे अलग नहीं किया है। इस पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई। बैठक में उन्होंने अपव्यय कड़ाई के साथ रोकने और आवासीय सोसाइटियों को दिए जाने वाले बल्क कनेक्शन से पूर्व जल की उपलब्धता का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। महापौर ने स्पष्ट शब्दों में यह भी निर्देश दिए, नए कनेक्शन देने के पूर्व यह देख लें कि पुराने पाइप कनेक्शन धारी का जलप्रदाय प्रभावित तो नहीं हो रहा है। उन्होंने पेयजल समस्या निदान के लिए नई पाइप लाइन बिछाने से पूर्व जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कहा है। महापौर ने जल समस्या से सम्बंधित सभी जनशिकायतों को प्राथमिकता से गर्मी में त्वरित समाधान करना सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिये हैं, साथ ही चेतावनी भी दी कि जवाबदेही अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बिजनेस साइट

बालको मेडिकल सेंटर में उन्नत मैंडिबुलर रिकंस्ट्रक्शन तकनीक का सफल प्रदर्शन

रायपुर। बाल्को मेडिकल सेंटर ने छत्तीसगढ़ एसोसिएशन ऑफ प्लास्टिक, रिकंस्ट्रक्टिव एंड एस्थेटिक सर्जन्स के सहयोग से 'स्कैपुलर फ्लैप के साथ मैंडिबुलर रिकंस्ट्रक्शन' विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी एवं लाइव सर्जिकल वर्कशॉप आयोजित की। कार्यक्रम में राज्य व आसपास के क्षेत्रों से 50 से अधिक विशेषज्ञ सर्जनों ने भाग लिया। वर्कशॉप में हेड एंड नेक रिकंस्ट्रक्शन के सिद्धांत, योजना और सब-स्कैपुलर वैस्कुलर सिस्टम के उपयोग पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्य आकर्षण लाइव सर्जरी रही, जिसका नेतृत्व टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के प्रोफेसर डॉ. दुष्यंत जायसवाल ने किया। ट्यूमर रीसैक्शन डॉ. रश्मि सिंह राय व डॉ. पलक अग्रवाल द्वारा संपन्न हुआ। जटिल सर्जरी के बाद मरीज को सफलतापूर्वक डिस्चार्ज कर दिया गया है और उनकी रिकवरी संतोषजनक बताई गई है। बीएमसी की मेडिकल डायरेक्टर डॉ भावना सिरोही ने कहा कि यह वर्कशॉप जटिल हेड एंड नेक रिकंस्ट्रक्शन में क्षेत्रीय विशेषज्ञता विकसित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस प्रकार के उच्च स्तरीय अकादमिक और सर्जिकल अनुभव को मध्य भारत में लाकर, हम मरीजों को उनके घर के पास ही गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखते हैं।

पेज 11 के शेष ...

20 दिनों बाद चलेगी समता और ...

से दो दिन पहले ही ट्रेनों में बुकिंग बंद हो जा रही है। वहीं, तत्काल टिकट भी चंद मिनटों में ही खत्म हो रहे हैं। ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट 50 से 80 के पार पहुंच गई है, जिससे टिकट के कन्फर्म होने की संभावना शून्य के बराबर रह गई है। अब स्लीपर और एसी दोनों ही कोच में वेटिंग का भारी दबाव एक समान हो चुका है। रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनें चलाए जाने के बावजूद दिल्ली जाने वाले यात्रियों को आसानी से कन्फर्म टिकट उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। ट्रेनों के लौटने के बाद हरिभूमि ने दिल्ली रूट की बुकिंग स्थिति का जमीनी जायजा लिया। आज 24 अप्रैल को समता और गोंडवाना एक्सप्रेस 20 दिनों के लंबे अंतराल के बाद पटरियों पर वापसी कर रही हैं, लेकिन 24 अप्रैल की सुबह से ही गोंडवाना एक्सप्रेस के सभी कोच में बुकिंग पूरी तरह बंद हो चुकी थी। इसी तरह समता एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में 74 और थर्ड एसी में 70 की लंबी वेटिंग चल रही है। ट्रेनों की संख्या बढ़ने के बाद भी यात्रियों को कंफर्म सीट के लिए भारी जद्दोजहद करनी पड़ रही है।

कलकत्ता रूट में जून तक कन्फर्म टिकट का टोटा : दिल्ली के साथ-साथ अब रायपुर से होकर कलकत्ता जाने वाली ट्रेनों में भी यात्रियों की भारी भीड़ के चलते 'नो रूम' की स्थिति बन गई है। गीतांजलि एक्सप्रेस, शालीमार एक्सप्रेस, हावड़ा-अहमदाबाद और हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनों में टिकटों की मांग इतनी अधिक बढ़ गई है कि यात्रा की तारीख से तीन दिन पहले ही बुकिंग पूरी तरह बंद हो चुकी है।लगातार बढ़ रहे दबाव के कारण इन ट्रेनों के स्लीपर सहित सभी प्रमुख कोचों में 25 से 29 अप्रैल तक टिकट मिलना लगभग नामुमकिन हो गया है। अत्यधिक वेटिंग के चलते रेलवे को इन तिथियों के लिए बुकिंग रोकनी पड़ी है।

26 से लौटेगी छत्तीसगढ़....

26, 27 और 28 अप्रैल की यात्रा के लिए स्लीपर और सेकंड एसी कोच में बुकिंग पूरी तरह से बंद (रिग्रेट) हो चुकी है।इस भारी भीड़ के चलते भोपाल, दिल्ली और अमृतसर की ओर सफर करने वाले यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें यात्रा के लिए टिकट ही उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। आगामी 29 अप्रैल की स्थिति भी राहत देने वाली नहीं है। 29 तारीख को स्लीपर श्रेणी में वेटिंग का आंकड़ा 60 के पार पहुंच गया है, जबकि सेकंड एसी में अभी भी बुकिंग बंद दिखा रही है।

चेक बाउंस के थोक में मामले...

अदालतों में चेक बाउंस के प्रकरणों का निपटारा होने के बाद भी संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही। चेक बाउंस वारंट की तामिली सही तरीके से नहीं होने पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई है। उसके बाद पुलिस कमिश्नरेट ने वारंट तामिली के लिए विशेष अभियान चालू किया है। चेक बाउंस प्रकरणों के पेंडिग वारंट की तामिली करने पुलिस कमिश्नरेट ने दो दिन में ढाई सौ से ज्यादा वारंट की तामिली की है। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने इसके लिए तीनों जोन के डीसीपी को वारंट तामिली करने लगातार अभियान चलाने निर्देश दिए हैं। अनुमान के मुताबिक राज्य के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चेक बाउंस के 45 हजार से ज्यादा प्रकरण पेंडिंग हैं। निचली अदालतों में चेक बाउंस प्रकरणों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। **लोक अदालत में ज्यादातर प्रकरण चेक बाउंस के :** हर तीन महीने में लगने वाली नेशनल लोक अदालत में सबसे ज्यादा प्रकरण निपटारा के लिए आते हैं। उनमें 138 चेक बाउंस के प्रकरण ज्यादा होते हैं। चेक बाउंस प्रकरण को आपसी सुलह से निपटाया जाता है। इस कारण कोर्ट का बोझ कम करने बड़ी संख्या में चेक बाउंस प्रकरण को आपसी सुलह से निबटाने वादी तथा प्रतिवादी लोक अदालत में पहुंचते हैं।

सुरक्षा के लिए अब रवि भवन में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

- वाहनों की चोरी जैसी घटनाओं पर अंकुश लगेगा व समय रहते कार्रवाई संभव हो सकेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रवि भवन में गोल बाजार थाना प्रभारी स्वराज त्रिपाठी की टीम के साथ उपस्थिति में संवाद से समाधान अंतर्गत व्यापारियों की एक आवश्यक बैठक की गई। बैठक में बड़ी संख्या में व्यापारियों ने भाग लिया। बैठक में भवन की सुरक्षा के लिए परिसर में चारों ओर सीसीटीवी कैमरे लगाने एवं अग्नि सुरक्षा के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई। सीसीटीवी लगने से वाहनों की चोरी जैसी घटनाओं पर अंकुश लगेगा तथा संदिग्ध गतिविधियों पर समय रहते कार्रवाई संभव हो सकेगी। व्यापारियों द्वारा सेकंड हैंड मोबाइल की खरीदी-बिक्री से संबंधित समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया। व्यापारी संघ अध्यक्ष जय नानवानी ने सभी सुझावों को गंभीरता से लेते हुए आश्वस्त किया कि उन्हें यथासंभव लागू किया जाएगा। साथ ही, भवन के समग्र विकास एवं सुरक्षा के लिए भविष्य में भी नियमित बैठकें आयोजित कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

धूप से जलन वाली स्थिति, एक बार फिर 44 डिग्री तक पहुंच सकता है टेंप्रेचर

रायपुर। दोपहर होने के बाद जलन जैसी स्थिति पैदा करने वाली धूप के साथ शहर में एक बार फिर 44 डिग्री की गर्मी पड़ने की संभावना है। दो दिन बाद दक्षिण से आने वाली हवा राहत लेकर आएगी। पिछले साल अप्रैल में बने 42.2 डिग्री का रिकार्ड इस बार टूटने की संभावना कम है। बंगाल की खाड़ी वाली नमी युक्त हवा का असर दो से तीन दिन रहने के आसार हैं। अप्रैल में इन दिनों प्रदेश का मध्य हिस्सा खूब तप रहा है। खासकर रायपुर और दुर्ग संभाग में आग उगलने वाली गर्मी अपना असर दिखा रही है। पिछले चौबीस घंटे में रायपुर में एक डिग्री सेल्सियस तक तापमान बढ़ा है। शुक्रवार को दिन चढ़ते ही शुरू हुई गर्मी दोपहर बाद जलन पैदा करने वाली स्थिति में पहुंच गई। इससे ग्रीष्म लहर के लौटने का अहसास हुआ। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अगले दो दिन में गर्मी अपना व्यापक असर दिखाएगी और एक बार फिर शहर के लोगों को 44 डिग्री का टार्चर सहना पड़ सकता है।

Satya TRUCKING PVT. LTD.
आवश्यकता है
बिजनेस एक्जीक्यूटीव
योग्यता - ग्रेजुएशन,
स्थान- रायपुर (1 पद), नारायणपुर (1 पद), डोंगरगढ़ (1 पद), दल्ली राजहरा (1पद)
वेतन - 15,000 + इंसेंटिव
रिटेल फायनेंस मैनेजर
योग्यता - ग्रेजुएशन, स्थान- रायपुर (1 पद)
वेतन - 15,000 + इंसेंटिव
कस्टमर केयर मैनेजर
योग्यता - ग्रेजुएशन, स्थान- रायपुर (1 पद)
वेतन - 15,000 + इंसेंटिव
इलेक्ट्रीशियन+मैकेनिक
योग्यता - आईटीआई/डिप्लोमा
स्थान: रायपुर - 15 पद, राजनांदगांव-4 पद
वेतन - 15,000 + इंसेंटिव
फ्रेशर भी आवेदन कर सकते हैं।
अपना अपडेटेड रेज्यूम भेजें
noman.sinha@teamsatya.in
या कॉल करें
7748900111, 9098750248
जी.ई. रोड, टाटीबंध, रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

वाके मौजा – खोरपा, प.ह.नं. 00009, रा.नि. मं- खोरपा, तहसील अभनपुर, जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 703/3 रकबा 0.1200 हे. भूमि के संबंध में।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेता लोकेश देवांगन पिता श्री पवन देवांगन, निवासी- खोरपा, तहसील अभनपुर, जिला रायपुर (छ.ग.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि वाके मौजा खोरपा, प.ह.नं. 00009, रा.नि.मं- खोरपा, तहसील अभनपुर, जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 703 /3 रकबा 0.1200 हे. भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा कर बयाना राशि अदा कर दिया है एवं शेष राशि का भुगतान बैनामें के निष्पादन के समय किये जाने की बात हुई है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय, अर्द्धशासकीय, अशासकीय बैंक, बीमा, वित्तीय संस्था, निगम, निकाय, बोर्ड, प्राधिकरण निजी संस्था आदि को किसी भी प्रकार की उजर आपत्ति है। तो यह इस आम सूचना प्रकाशन के 07 दिन के भीतर अपनी, उजर, आपत्ति का दावा मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज के साथ प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद म्याद की गई किसी भी प्रकार की उजर, आपत्ति या दावा के लिए मेरे पक्षकार पर कोई बंधनकारी नहीं होगा और यह अपने पक्ष में रजिस्ट्री बैनामा करवा लेगा।

सो सूचना जानें।
रायपुर, छत्तीसगढ़
दिनांकः 25.04.2026

कृष्ण कुमार सिन्हा
(अधिवक्ता) पता एच-29, कृषक नगर, जोरा, रायपुर (छ.ग.)
Mob.: 75871 12328

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार 04 रायपुर

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भः- जिला- **रायपुर** तहसील- **रायपुर** प.ह.न.- **00073 देवपुरी** ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण **क्रमांक- CG-2026-27-102-1-218**

// ईश्तहार //

तहसील **रायपुर** के प.ह.न. **00073** के अंतर्गत ग्राम **देवपुरी** के वर्तमान भूमिस्वामी **अमृत पाल सिंह पिता/पति-श्री नरेन्द्र पाल सिंह पता-गुरु कृपा निवास गुरुद्वारा के बाजू श्याम नगर रायपुर छत्तीसगढ़, अमन अजमानी पिता/पति-कमलजीत सिंह अजमानी पता-मकान नंबर 54 होटल राज बिल्डिंग के पीछे दयालबंद बिलासपुर छत्तीसगढ़** के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक **375/23 (0.0282), 375/23 (0.0282)** में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरुस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक **15/05/2026** को समय सुबह 11 बजे स्थान **न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार 04 रायपुर** पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक **23/04/2026** को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
Rakesh Dewangan,
रायपुर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 4966 दिनांक 02.06.2012 के द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर - 29 में स्वतंत्र भवन क्रमांक - एच. आई.जी. - 1/662 को डॉ. नवीन गुप्ता पिता श्री कैलाश नारायण गुप्ता के नाम स्ववित्तिय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा पंजीयन कार्यालय से दिनांक 14.01.2015 को लीजडीड (रजिस्ट्री) का निष्पादन करा लिया गया है तथा इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 9540 दिनांक 09.12.2015 को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया है। वर्तमान में डॉ. नवीन गुप्ता पिता श्री कैलाश नारायण गुप्ता, निवासी :- 81, राणिबाग, खण्डवा रोड़, इंदोर, मध्यप्रदेश पिन नं. 452002 के द्वारा उक्त भवन को क्रेता श्रीमती जानकी पवार पति श्री मयंक पवार एवं श्री मयंक पवार पिता श्री ढालेन्द्र सिंह पवार, निवासी:- ए - 602, चैतन्य ग्रीन विधान सभा रोड़, डेकाथलान, सड्डू, जिला - रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर - 29 में स्थित स्वतंत्र भवन क्रमांक-एच. आई.जी. - 1/662 के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्ध्दशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र -नवा रायपुर अटल नगर

ईश्तहार

क्र. 3221/6(2)/2773/08/संपदा/ नराअनविप्रा / 2021 नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 24/04/2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती शाइस्ता खान पति स्व. इमरान खान, निवासी वार्ड 06, रानी दुर्गावति वार्ड, नगरी, तहसील नगरी, जिला धमतरी (छ.ग.) 493778 द्वारा नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण को आवेदन प्रस्तुत किया है कि उनके पति श्री इमरान खान पिता अब्दुल जब्बार खान, द्वारा नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर 17 में आवासीय भू-खण्ड क्र. N-19, रकबा 213.48 वर्गमीटर को दि. 07/06/2021 को आशय पत्र जारी किया गया है। श्री इमरान खान का दि. 13/05/2021 को स्वर्गवास हो चुका है। मृतक श्री इमरान खान के विधिक वारिसान आवेदकगण द्वारा उत्तराधिकार में तथा सक्षम प्राधिकारी से संबंध / आश्रित प्रमाण पत्र एवं वंशावली का शपथ पत्र के आधार पर नाम दर्ज करने का आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उपरोक्त के संबंध मे जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा / आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा / आपत्ति दि. 09/05/2026 तक प्रबंधक (संपदा) नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण पर्यावास भवन तृतीय तल में पेश कर सकते है । नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

प्रबंधक (संपदा)
नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण
नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)

सूने मकान में धावा, 55 हजार का सामान पार : रायपुर। पुरानी बस्ती थाने में एक महिला ने अज्ञात चोर के खिलाफ सूने मकान का ताला तोड़कर 55 हजार रुपए से ज्यादा कीमत के घरेलू सामान चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। भाठागांव, शिवशक्ति धाम निवासी सुनीता देवांगन ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। सुनीता ने पुलिस को बताया कि अज्ञात चोर उसके सूने मकान का ताला तोड़कर अंदर रखे घरेलू सामान चोरी कर ले गया।

HEALTH TOWN
DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पॉन्डिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द
> साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
जोड़ों, नसों, मांसपेशियों के सभी प्रकार के दर्द का इलाज
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic
Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
बिना चीरफाड़ के बावासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का
लेज़र मशीन / क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

बंदर ने किया ग्रामीणों को परेशान, कई घायल

रायपुर। अभनपुर से सटे चेरिया गांव के ग्रामीण पिछले छह महीने से एक काला मुंह के बंदर के आतंक से आतंकित हैं। तालाब नहाने जाने वाले लोगों को बंदर काटने के लिए दौड़ाता है। बंदर का आतंक अब तालाब के बाद आंगनबाड़ी तक पहुंच गया है। बंदर के आतंक के सहमे ग्रामीण अपने बच्चों को आंगनबाड़ी भेजने से परहेज कर रहे हैं। चेरिया की सरपंच तृप्ति तिवारी ने बंदर के आतंक से मुक्ति दिलाने विभागीय अफसरों को तीन से चार बार पत्र भी लिखा है। पत्र मिलने के बाद वन विभाग के अफसरों ने बंदर को पकड़ने दो दिन तक पिंजरा भी लगाया था। इसके बाद पिंजरा को हटा लिया गया। सरपंच ने ग्रामीणों के हवाले से बताया है कि गांव वाले तालाब नहाने या किसी काम से जाते हैं, तब बंदर ग्रामीणों को काटने के लिए दौड़ाता है। इसके चलते कई लोग गिरकर घायल हो चुके हैं।

टैंकर से गंदा पानी की सप्लाई, ठेकेदार पर जुर्माना

रायपुर। नगर निगम जोन 9 क्षेत्र में पानी टैंकर से गंदा पानी की सप्लाई के मामले में जोन कमिश्नर ने कार्रवाई की है। इस मामले में संबंधित टैंकर ठेकेदार पर जुर्माना लगाया है। कमिश्नर ने बताया कि जिस टैंकर से पानी की सप्लाई की गई थी वह निजी ठेकेदार द्वारा भेजा गया था। टैंकर पुराना होने के साथ उसकी सफाई भी नहीं हुई थी। इस कारण से टैंकर को बदलकर नया टैंकर से पानी की सप्लाई की गई। उन्होंने इस मामले में ठेकेदार को चेतावनी भी दी है कि भविष्य में पानी परीक्षण कर ही सप्लाई करें नहीं तो अनुबंध निरस्त किया जाएगा।

पेंडिंग मामलों पर जूडा आंदोलन के मूड में

रायपुर। सुपर स्पेशलिटी डाक्टरों का अलग कैडर, पीजी डाक्टरों के स्टाईपेंड और अनुबंधित डाक्टरों के वेतन पर एक बार फिर असंतोष का माहौल बनने लगा है। इसे लेकर एक बार फिर आंदोलन का मूड बनता जा रहा है। सीजीडीएफ के अध्यक्ष डा. हीरा सिंह ने बताया कि महंगाई बढ़ी, जिम्मेदारियाँ बढ़ीं, मरीजों का दबाव बढ़ी जिसकी वजह से डाक्टरों के वेतन, स्टाइपेंड पर विचार करना आवश्यक है। इसी तरह देशभर में डीएम, एमसीएच और डीआरएनबी जैसे उच्चतम चिकित्सा डिग्रीधारी डॉक्टरों के लिए अलग कैडर, अलग वेतनमान और स्पष्ट करियर संरचना की गई है। छत्तीसगढ़ में आज भी इन सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के लिए कोई अलग व्यवस्था नहीं है। यह स्थिति न केवल नीति की कमी को दर्शाती है, बल्कि प्रतिभा के पलायन को भी बढ़ावा दे रही है।

जन्मजात हृदय रोगों पर बारीकी से अध्ययन के लिए एम्स और सत्य साईं हास्पिटल के बीच दूसरा करार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जन्मजात हृदय रोग से पीड़ितों के सुगम उपचार के लिए और अधिक अध्ययन की आवश्यकता है। वैश्विक अनुभव और आपसी सहयोग के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एवं सत्य साईं संजीवनी हास्पिटल के बीच दूसरा बड़ा समझौता किया गया है। वर्तमान में सत्य साईं हास्पिटल में मध्य भारत का पहला होमोग्राफ्ट वॉल्व बैंक का संचालन किया जा रहा है। इसका प्रत्यारोपण भी आवश्यकता के मुताबिक मरीजों को किया जा रहा है।

सत्य साईं संजीवनी हास्पिटल हृदय रोगों से पीड़ित बच्चों का लगातार इलाज कर उन्हें नया जीवन प्रदान कर रही है। वहीं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भी इस सीएचडी की समस्या से पीड़ित मरीजों का इलाज कर रहा है। जन्मजात हृदय रोग के उपचार को और आधुनिक बनाने तथा इस बीमारी के और बारीकी से अध्ययन के लिए दोनों संस्थाओं द्वारा शुक्रवार को एमओयू किया गया है। इस समझौता ज्ञापन का मुख्य उद्देश्य सहयोग को बढ़ावा देना, वैश्विक अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना और स्वास्थ्य विज्ञान की उन्नति के लिए पारस्परिकता, सर्वोत्तम प्रयास, पारस्परिक लाभ और निरंतर बातचीत के आधार पर ज्ञान की उन्नति को सुगम बनाना है। कैशलेस हास्पिटल के नाम से अपनी अलग पहचान बनाने संजीवनी हास्पिटल में मध्य भारत का पहला होमोग्राफ्ट वाल्व बैंक स्थापित है ।

कैशलेस हास्पिटल में संचालित हो रहा मध्यभारत का पहला होमोग्राफ्ट वॉल्व बैंक

लाभान्वित मरीजों को सर्टिफिकेट

इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में एम्स के प्रभारी निदेशक डॉ. अशोक कुमार जिंदल, डॉ. सी. श्रीनिवास और अन्य अतिथियों ने छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश के मरीजों को जीवन प्रमाण पत्र प्रदान किए। सात वर्षीय प्रतीक ने लेफ्टिनेंट जनरल से हाथ मिलाया। दो वर्षीय अविनाश डॉक्टर बनना चाहता है, मोहम्मद प्रतीक विराट कोहली का प्रशंसक है। यश लोधी की दादी ने कहा कि अपने पोते को स्वस्थ देखकर उन्हे खुशी हुई। 23 वर्षीय संजू देवांगन ने श्री सत्य साई संजीवनी मातृ एवं शिशु अस्पताल में पुत्र के जन्म को अपना सौभाग्य बताया।

जैव भंडार का अनमोल खजाना

इस दौरान डा. जिंदल ने सत्य साई संजीवनी अस्पताल के जैव भंडार को एक अनमोल खजाना बताया और कहा कि एम्स इसका सर्वोत्तम उपयोग करेगा। डॉ. सी. श्रीनिवास ने कहा समझौता ज्ञापन केवल एक दस्तावेज नहीं है, बल्कि दिलों का मिलन भी है। विकसित भारत के लिए विकसित स्वास्थ्य अनिवार्य है। इन दो प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच हुआ समझौता ज्ञापन रोगों की रोकथाम और उनके कारणों को समझने में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल करेगा।

ज्यादातर किराएदारों के विरुद्ध मामले दर्ज

भाड़ा नियंत्रक कोर्ट में तीन साल बाद 139 प्रकरणों में आदेश जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर के कलेक्टोरेट स्थित भाड़ा नियंत्रक न्यायालय में नियमित सुनवाई नहीं होने से लगभग तीन वर्षों से मकान मालिकों और किराएदारों के बीच विभिन्न कारण से होने वाले विवाद प्रकरणों का निराकरण नहीं हो पा रहा था। इस लंबे समय के बाद यह पहला वित्तीय वर्ष 2025-26 है, जिसमें 139 प्रकरणों में न केवल नियमित सुनवाई हुई है, बल्कि अंतिम आदेश भी जारी हुए हैं। इधर आदेश जारी होने से आवेदक पक्षकारों को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि इनमें कुछ प्रकरण 5 से 8 वर्ष पुराने भी हैं। हालांकि विभागीय सूत्रों से यह भी जानकारी मिली है कि जिन प्रकरणों में आदेश जारी हुए हैं, उनमें से कई प्रकरणों में अनावेदक पक्षकारों ने इस आदेश के विरुद्ध अपील भी की है। जिले में लंबित केस में लगभग 45 केस ऐसे भी हैं, जो 5 वर्ष से भी पुराने हैं। इनमें केस दर्ज करने वाले कई आवेदकों, पक्षकारों की मृत्यु तक हो चुकी है, जिसके कारण उनके परिवार के अन्य सदस्य अब ये केस लड़ रहे हैं।

केस 1

सदरबाजार में वर्ष 2017-18 में मनीष शर्मा नामक व्यक्ति ने गुलाबचंद सेमुअर के विरुद्ध केस दर्ज किया था। मनीष शर्मा की मृत्यु हो चुकी है, जिसके बाद अब उसकी पत्नी ज्योति शर्मा यह केस लड़ रही है। इस प्रकरण में गुलाबचंद किराएदार है, जो मकान का कब्जा छोड़ नहीं रहा था। यह प्रकरण दो बार हाईकोर्ट से डिस्पोजल होकर भी आया है। इस प्रकरण में अब भाड़ा नियंत्रक ने ज्योति के पक्ष में 16 मार्च 2026 को आदेश जारी किया है और अनावेदक को कब्जा छोड़ने के निर्देश दिए है।

केस 2

आवेदिका श्यामाप्रसाद भाटिया ने वर्ष 2021-22 में अपने किराएदार के विरुद्ध भाड़ा नहीं देने का केस दर्ज किया था। इस प्रकरण में भी लंबे समय से पेशी की तारीख आगे बढ़ाई जा रही थी। इस प्रकरण में अब कोर्ट ने 1 अप्रैल को भाटिया के पक्ष में आदेश जारी करते हुए किराएदार ओंकारप्रसाद अवधिया को लगभग 4 लाख रुपए बकाया किराया राशि देने का निर्देश दिया है।

केस 3

नमीश कुमार गुप्ता ने भी वर्ष 2021-22 में गोमता प्रसाद गुप्ता के विरुद्ध मकान कम दुकान को खाली नहीं करने एवं भाड़ा नहीं देने पर केस किया था। इस प्रकरण में भी लंबे समय से नियमित सुनवाई नहीं हो पा रही थी, लेकिन अब 10 अप्रैल को इस प्रकरण में कोर्ट ने नमीश के पक्ष में आदेश जारी किया है तथा गोमता को बकाया भाड़ा देने के साथ मकान कम दुकान को खाली करने के निर्देश दिए है।

अब नियमित सुनवाई की जा रही

पुराने एवं नए प्रकरणों में अब नियमित रूप से सुनवाई की जा रही है। सालभर में 139 प्रकरणों में सुनवाई पूरी कर अंतिम आदेश जारी किए गए हैं।
- **उत्तम प्रसाद रजक,** भाड़ा नियंत्रक रायपुर

425 प्रकरण अभी भी लंबित

जिले में मकान मालिक और किराएदार के बीच मकान, दुकान या अन्य प्रॉपर्टी का भाड़ा बढ़ाना, कम देना, खाली नहीं करना, भाड़ा नहीं देना, भाड़ा के अनुसार सुविधाएं नहीं देना सहित कई तरह के विवाद होते हैं। ये विवाद जब मकान मालिक और किराएदार के बीच आपसी समझौते में सुलझ नहीं पाते और बढ़ जाता है। इसके बाद मकान मालिक द्वारा किराएदार पर और किराएदार मकान मालिक के विरुद्ध भाड़ा नियंत्रक कोर्ट में केस करता है। पिछले 4 वर्ष के दौरान जिलेभर से ऐसे लगभग 6 सौ केस भाड़ा नियंत्रक कोर्ट में दर्ज किए गए हैं। इनमें से अब तक महज 139 केस में ही सुनवाई पूरी होने के बाद अंतिम आदेश जारी किए गए हैं, वहीं अभी भी 425 केस लंबित हैं, जिनकी सुनवाई की प्रक्रिया जारी है।

इन कारणों से तीन साल तक नहीं हुई नियमित सुनवाई

वर्ष 2022 से लेकर वर्ष 2024 तक भाड़ा नियंत्रण कोर्ट में सुनवाई पूरी तरह प्रभावित रही। इन तीन वर्षों में भाड़ा नियंत्रक के आधा दर्जन से अधिक अफसर बदले गए, जिसके कारण हर बार नया अफसर को पुराने प्रकरणों की जांच करने में ही महीनों लग जाते थे। जिस भी अफसर को भाड़ा नियंत्रक बनाया जाता है, उसे प्रोटोकाल अधिकारी भी नियुक्त किया जाता रहा है। इन वर्षों में विधानसभा, लोकसभा, नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के कारण भाड़ा नियंत्रक अफसर प्रोटोकाल ड्यूटी में व्यस्त रहे।

निजी स्कूलों ने सौंपा गुलाब, कहा- हमारे पास वेतन देने पैसे नहीं

रायपुर। शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत अध्ययनरत गरीब छात्रों की फीस राशि बढ़ाने एक मार्च से असहयोग आंदोलन कर रहे निजी स्कूलों ने शुक्रवार को विरोधस्वरूप गुलाब के फूल सौंपे। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में जनप्रतिनिधियों से मिलकर स्कूल संचालकों ने गुलाब भेट करते हुए उन्हें अपनी समस्याएं बताई। स्कूलों ने कहा कि आरटीई राशि में वृद्धि नहीं किए जाने के कारण उन्हें शिक्षकों को वेतन प्रदान करने में दिक्कतें आ रही हैं। 2012 में आरटीई अधिनियम लागू होने के बाद से लेकर अब तक फीस में वृद्धि नहीं हुई है। जबकि इस अवधि में निजी स्कूलों के शिक्षकों का वेतन लगभग दोगुना हो चुका है। व्यय के लिए पर्याप्त मद नहीं होने के कारण उन्हें आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई स्कूल बगैर लाभ संचालित हो रहे हैं। इसके पूर्व 17 अप्रैल को स्कूल संचालकों एवं शिक्षकों ने विरोधस्वरूप काली पट्टी लगाकर कार्य किया था।

- आरटीई फीस की राशि बढ़ाने एक मार्च से आंदोलनरत हैं निजी विद्यालय

बैठक में तनातनी

निजी स्कूल संघ द्वारा आरटीई के अंतर्गत छात्रों को प्रवेश देने से इनकार किए जाने के कारण पूरी प्रक्रिया बाधित हो गई है। विवाद सुलझाने के लिए सचिवालय में गुरुवार को आयोजित हुई बैठक में तनातनी की बात सामने आ रही हैं। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, बैठक में मध्य मार्ग पर विचार करने के स्थान पर निजी स्कूलों पर असहयोग आंदोलन वापस लेने दबाव बनाया गया। इससे आक्रोशित होकर निजी स्कूल संघ के प्रतिनिधि बैठक का बहिष्कार कर चले गए। तनातनी की यह स्थिति बैठक के शुरुआत से ही चलती रही।

इधर, निजी स्कूलों के खिलाफ फीस-किताब को लेकर दो आदेश जारी

रायपुर। छग शासन द्वारा निजी स्कूलों के संबंध में दो आदेश शुक्रवार को जारी किए गए। इनमें से एक फीस विनियमन विधेयक से संबंधित रहा, जबकि दूसरा आदेश निजी स्कूलों में एनसीईआरटी किताबों से पढ़ाई कराए जाने को लेकर है। जारी आदेश में कहा गया है कि कतिपय निजी विद्यालयों द्वारा पालकों से नियम विरुद्ध अधिक शुल्क लिया जा रहा है। राज्य में 26 अगस्त 2020 से छत्तीसगढ़ अशासकीय विद्यालय फीस विनियमन विधेयक 2020 लागू है। इस विधेयक के अनुसार प्रत्येक निजी विद्यालयों में, विद्यालय फीस समिति का गठन किया जाना है। विद्यालय फीस समिति प्रतिवर्ष, पूर्व वर्ष के शुल्क से अधिकतम 8 प्रतिशत की सीमा में शुल्क वृद्धि का अनुमोदन कर सकेगी। 8 प्रतिशत से अधिक शुल्क वृद्धि की स्थिति में जिला फीस समिति से अनुमोदन कराना आवश्यक है। प्रत्येक निजी विद्यालय में फीस विनियमन समिति को क्रियाशील बनाया जाए। निजी विद्यालयों से समन्वय एवं नियंत्रण के लिए नोडल प्राचार्य की भूमिका महत्वपूर्ण होती है तथा नोडल प्राचार्य विद्यालय शुल्क विनियमन समिति के सदस्य भी होते हैं। विद्यालय फीस समिति में नोडल प्राचार्य भी सदस्य होते हैं।

- समस्त कलेक्टर को आदेश, निजी स्कूलों में हो फीस विनियमन विधेयक का कड़ाई से पालन

बनाया जाए पारदर्शी सिस्टम

द्वितीय आदेश समस्त कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए जारी करते हुए कहा गया है कि निजी विद्यालयों द्वारा एनसीईआरटी की पुस्तक के स्थान पर निजी प्रकाशकों की पुस्तकें क्रय करने के लिए विद्यार्थियों एवं पालकों को बाध्य करने की सूचना प्राप्त हो रही है। निजी विद्यालय जहां सीजी बोर्ड से संबद्धता प्राप्त कर अध्यापन कराया जाता है, वहां पहली से दसवीं कक्षा तक छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम से प्रकाशित पुस्तकें विद्यार्थियों को निशुल्क प्रदान की जाती है। अतः इन विद्यालयों में किसी अन्य प्रकाशकों की पुस्तकें क्रय करने के लिए बाध्य नहीं किया जाए।

6 नहीं केवल 2 घंटे संचालित होगी आंगनबाड़ी

रायपुर। प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग ने ग्रीष्मकाल के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन समय में बदलाव करते हुए इसे 6 घंटे से घटाकर 2 घंटे कर दिया है। पूर्व में 1 अप्रैल से 30 जून तक आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन समय प्रातः 7 बजे से 11 बजे तक निर्धारित किया गया था। अब 23 अप्रैल से 30 जून तक बच्चों की उपस्थिति का समय केवल सुबह 7 बजे से 9 बजे तक निर्धारित किया गया है, ताकि वे भीषण गर्मी और लू के प्रभाव से सुरक्षित रह सकें। इस निर्धारित अवधि में बच्चों को पूर्व तय समय-सारिणी के अनुसार प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख एवं शिक्षा के साथ-साथ पूरक पोषण आहार का नियमित वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बच्चों की शिक्षा और पोषण सेवाओं की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। ग्रीष्मकाल समाप्त होने के बाद एक जुलाई से आंगनबाड़ी केंद्र पुनः अपने सामान्य समय प्रातः 9:30 बजे से 3:30 बजे तक (6 घंटे) संचालित होंगे।

- गर्मी के कारण फैसला, प्रातः 7 बजे से 11 बजे तक होंगे संचालित

जारी रहेंगे अन्य कार्य : आंगनबाड़ी केंद्रों में अन्य आवश्यक सेवाएं प्रातः 11 बजे तक जारी रहेंगी। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं अपने निर्धारित जॉब चार्ट के अनुसार शेष कार्यों का निष्पादन करेंगी। साथ ही, गृहभेंट के माध्यम से पोषण परामर्श देने की महत्वपूर्ण सेवा को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए हैं, जिसके तहत कार्यकर्ता केंद्र बंद होने के बाद घर-घर जाकर माताओं को जागरूक करेंगी।

मलेरिया से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी

रायपुर। शुरुआत अक्सर मामूली ही होती है हल्का बुखार, ठंड लगना, शरीर में कमजोरी...ऐसे लक्षण जिन्हें आमतौर पर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन कई बार यही संकेत एक गंभीर बीमारी की दस्तक होते हैं। मलेरिया भी ठीक इसी तरह धीरे-धीरे शरीर को जकड़ता है। संक्रमित एनोफिलीज मच्छर के एक डंक से शुरू होकर, अगर समय पर पहचान न हो, तो स्थिति को जटिल बना सकता है। यही कारण है कि समय पर जांच और उपचार को लेकर जागरूकता बेहद जरूरी मानी जाती है। पिछले कुछ वर्षों में राज्य ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है, स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2015 में दर्ज कुल 144886 मामलों की तुलना में वर्ष 2025 में यह संख्या घटकर 28836 रह गई। यह परिवर्तन इस बात का संकेत है कि सुनियोजित रणनीति, समयबद्ध जांच और निःशुल्क उपचार जैसे प्रयास अब असर दिखा रहे हैं। मलेरिया, जो संक्रमित एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है, समय पर उपचार न मिलने पर गंभीर रूप ले सकता है। विशेषकर बच्चों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले व्यक्तियों के लिए यह अधिक जोखिमपूर्ण होता है। इसे ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने मलेरिया नियंत्रण के लिए बहु-आयामी रणनीति अपनाई है।

हरिभूमि

रायपुर, शनिवार 25 अप्रैल 2026

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

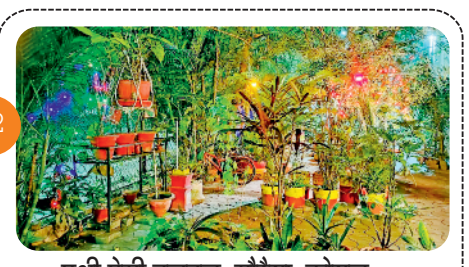

पक्षी प्रेमी बुलबुल, गौरैया, कोयल ....

एजुकेशन अलर्ट

आवासीय खेल अकादमी में विभिन्न खेलों के लिए चयन ट्रायल 28 अप्रैल से 1 मई तक

रायपुर। जिले के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से रायपुर स्थित आवासीय खेल अकादमी में विभिन्न खेलों के लिए चयन ट्रायल 28 अप्रैल से 01 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा। वरिष्ठ खेल अधिकारी ने बताया कि हॉकी (बालक-बालिका), तीरंदाजी (बालक-बालिका), फुटबॉल (केवल बालिका), वेटलिफ्टिंग (बालक-बालिका) तथा एथलेटिक्स (बालक-बालिका) खेलों में प्रवेश हेतु यह चयन प्रक्रिया आयोजित की जा रही है। तीरंदाजी, फुटबॉल एवं वेटलिफ्टिंग के लिए ट्रायल 28 से 29 अप्रैल तक, जबकि हॉकी एवं एथलेटिक्स के लिए 30 अप्रैल से 01 मई तक चयन ट्रायल होंगे।ट्रायल में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों की आयु 13 से 17 वर्ष के बीच होना अनिवार्य है। चयनित खिलाड़ियों को आवासीय सुविधा के साथ शिक्षा, भोजन, बीमा, खेल किट एवं उच्च स्तरीय प्रशिक्षण निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। अधिक जानकारी एवं पंजीयन हेतु जिला कलेक्टोरेट स्थित खेल विभाग कक्ष क्रमांक 241 में संपर्क किया जा सकता है।

संविदा पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार 5 मई को

महिला एवं बाल विकास विभाग से सम्बध्द मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत संचालित बाल देखरेख संस्था एवं विशेषीकृत दत्तक ग्रहण अभिकरण में संविदा पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार 5 मई को आयोजित किया गया है। सामाजिक कार्यकर्ता सह प्रारंभिक बाल्यावस्था एजुकेटर पद के लिए प्राप्त दावा-आपत्तियों के निराकरण के बाद अंतिम पात्र-अपात्र एवं वरीयता सूची जिले की वेबसाईट **https://gaurela-pendra-marwahi.cg.gov.in/** पर जारी कर दी गई है। साथ ही कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही के सूचना पटल पर भी चस्पा किया गया है। दस्तावेज सत्यापन एवं साक्षात्कार की प्रक्रिया 5 मई मंगलवार को प्रातः 9 बजे से और साक्षात्कार इसी दिन 11 बजे से जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही कार्यालय में आयोजित किया गया है।

सुप्रसिद्ध गायिका दिवंगत आशा भोसले को श्रद्धांजलि देने 29 को संगीत संध्या

रायपुर। फिल्म इंडस्ट्री की सुप्रसिद्ध गायिका आशा भोसले का 12 अप्रैल को निधन होने के करीब पखवाड़ेभर बाद महाराष्ट्र मंडल का म्यूजिकल ग्रुप संगीत संध्या के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि देने जा रहा है। 29 अप्रैल को शाम 7 बजे होने वाले विशेष आयोजन में 21 महिला सभासद गायिकाएं आशा भोसले के चुनिंदा 21 गानों की सुमधुर प्रस्तुति देते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करेंगी। इस संगीत संध्या का संयोजन भारती पलोसकर कर रही हैं। उन्होंने बताया कि आयोजन में उन्हीं गायिकाओं को गाने का अवसर मिलेगा, जो पहले से ही लाइव म्यूजिक और कराओके के माध्यम से अपनी आवाज का जादू बिखेरती रही हैं। अब आशाजी को श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए महिलाएं गीत-संगीत से महफिल सजाएंगी। प्रोग्राम की संयोजिका ने बताया, इतना तो तय है कि भारतीय फिल्मों की वर्सेटाइल सिंगर आशा भोसले को श्रद्धांजलि देने का यह संगीतमय सिलसिला 'अभी न जाओ छोड़कर' से शुरू होकर 'दम मारो दम मिट जाए गम, 'ये मेरा दिल प्यार का दीवाना, दो लफ्जों की है दिल की कहानी, जीते हैं शान से, मरते हैं शान से' तक जाकर थमेगा।

सिटी लाइव

गर्मी में 'गली फूड फेस्टिवल' में मिलेगा देशभर के स्ट्रीट फूड्स का स्वाद

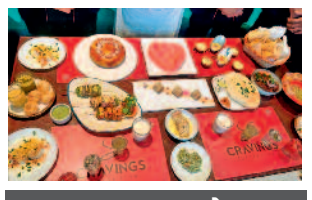

फ्यूजन व्यंजनों का भी मिलेगा तड़का

होटल की अनुभवी शेफ टीम ने इस फेस्टिवल के लिए एक खास मेन्यू तैयार किया है। इसमें पारंपरिक भारतीय स्ट्रीट फूड के अलावा तंदूरी रसगुल्ला, रबड़ी फालूदा और ग्रिल्ड काठी रोल जैसे बेहतरीन 'फ्यूजन व्यंजन' भी शामिल किए गए हैं। ये खास डिशेस फेस्टिवल में आने वाले मेहमानों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। आयोजकों के अनुसार, इस फूड फेस्टिवल का मुख्य उद्देश्य भारतीय स्ट्रीट फूड के असली व पारंपरिक स्वाद और उसकी रौनक को एक बेहद स्वच्छ तथा शानदार माहौल में प्रस्तुत करना है। इससे शहर के फूड लवर्स को ठेले और चौपाटी वाले स्वाद के साथ-साथ एक सुरक्षित तथा अनूठा अनुभव मिल सकेगा।

रायपुर। खाने-पीने के शौकीनों के लिए होटल सायाजी में 'गली फूड फेस्टिवल' का शानदार आगाज हुआ है। 24 अप्रैल से शुरू हुआ यह खास फूड फेस्टिवल आगामी 10 मई तक चलेगा। इस आयोजन में फूड लवर्स को देश के अलग-अलग हिस्सों के मशहूर और लोकप्रिय स्ट्रीट फूड्स का स्वाद एक ही जगह पर चखने का मौका मिलेगा। इस विशेष आयोजन के लिए होटल के रेस्टोरेंट को 'गली फूड' की थीम पर बेहद आकर्षक ढंग से तैयार किया गया है, जो मेहमानों को सीधे भारत की मशहूर फूड गलियों का एहसास कराएगा।

● जीई रोड स्थित कला केंद्र में छात्र-छात्राओं ने बढ़ाई रौनक, छुट्टी के दिनों को सार्थक बनाने संस्थाओं की पहल

संगीत का बेसिक सीखने रोज दो घंटे साधना, मेहंदी और ताइक्वांडो का भी सीख रहे गुर, संस्कारी बनाने लगाया कैंप

कला के साथ परंपराओं से जोड़ने की पहल

इस संदर्भ में 22 अप्रैल को आध्यात्मिक समिति की ऑनलाइन बैठक में कई निर्णय लिए हैं। शिविर में उनको पिट्ठुल, बिल्लस, पोशमपा, छुपन छुपाई, रेस टीप जैसे खेल भी खिलाएंगे। इसके अलावा बच्चों को नाटक की बुनियादी सीख दी जाएगी। फायर लेस कुकिंग से भी बच्चों को परिस्थितियों से जूझना सिखाया जाएगा। ऑनलाइन शिविर सुबह सात से आठ बजे लगेगा। इसमें बच्चों को दैनंदिनी के स्तोत्र, गणपति स्तोत्र, अथर्व शीर्ष पाठ, राम रक्षा स्त्रोत, हनुमान चालीसा, विष्णु सहस्त्र नाम, गीता का 12वां और 15वां अध्याय सहित विविध मंत्रोच्चार सिखाएं व याद कराए जाएंगे। शिक्षाप्रद कहानियां, सामान्य ज्ञान, पहेलियां भी बताई जाएंगी। सम सामयिक विषयों पर बच्चों से चर्चा की जाएगी। वहीं व्यायाम, योग, ड्राइंग, पेंटिंग, संगीत जैसे सेगमेंट से बच्चों को शिविर से जोड़ा जाएगा।

'परीक्षाओं का दौर खत्म होने ही गर्मी की छुट्टी के दिनों में अलग-अलग संस्थाओं की पहल पर कहीं संगीत का बेसिक सीखने के लिए छात्र-छात्राएं दो घंटे नियमित संगीत साधना के लिए कला केंद्र पहुंच रही हैं। वहीं मेंहदी, रंगोली और ताइक्वांडो जैसी विधाओं में खुद को पारंगत करने में रुचि ले रहे हैं। कई संस्थाओं ने अलग-अलग पखवाड़े के लिए कैंप आयोजित करना शुरू किया है। जहां प्रतिभागी के रूप में विद्यार्थी अच्छी विधाओं ही नहीं, बल्कि संस्कार शिविर से जुड़ने लगे हैं। इस तरह की पहल बच्चों को कुछ अलग करने का अवसर देने की जा रही है।'

रायपुर। जीई रोड स्थित कला केंद्र में इन दिनों अलग-अलग 25 विधाओं में प्रतिभागी खुद को साधने में जुटे हैं। इनके लिए प्रतिदिन सुबह 7.30 से 9.30 बजे के बीच गीत, संगीत के साथ ही वादन का गुर सिखाने के लिए केला गुरु भी तय किए गए हैं, ताकि 15 से 30 अप्रैल तक संचालित पहले समर कैंप में पहले बैच के 650 से अधिक प्रतिभागियों को कला गुरु पारंगत करने के लिए उन्हें अलग -अलग विधाओं का बेसिक सिखा रहे हैं। इसके चलते तय समय में कला केन्द्र प्रांगण में सुर साधकों के बीच तबले की थाप के साथ हारमोनियम, की-बोर्ड सहित वायलिन और गिटार की सुमधुर ध्वनी गूंजती है। इससे कला केन्द्र के प्रांगण में सुर साधकों की महफिल सजती है।

ऑनलाइन व ऑफलाइन बाल संस्कार शिविर

महाराष्ट्र मंडल की आध्यात्मिक समिति की पहल पर एक से 30 मई तक ग्रीष्मकालीन बाल संस्कार शिविर किया जाएगा है। हर साल ऑनलाइन मोड पर लगने वाला यह शिविर इस वर्ष वीकएंड पर ऑफलाइन भी होगा। यानी बाल संस्कार शिविर सोमवार से गुरुवार तक ऑनलाइन चलेगा, तो शुक्रवार व शनिवार को ऑफलाइन होगा। इसमें सभी शिविरार्थी बच्चे सुबह सात से आठ बजे तक महाराष्ट्र मंडल परिसर में जुटेंगे और शिविर को एंजॉय करेंगे। आस्था काले ने बताया कि बच्चों को आध्यात्म और संस्कारों से जोड़ने के लिए आयोजित होने वाले शिविर में शामिल होने का अभिभावकों के पास भी अच्छा अवसर है।

छुट्टियों को रचनात्मक और उपयोगी बनाना

इंटरनेशनल स्विमिंग पूल के पास स्थित कला केंद्र प्रांगण में तय समय में ही ड्राइंग, माटी कला, स्पोकन इंग्लिस सिखाने के साथ ही जुम्बा, रंगोली, योगा, मेंहदी के साथ ही पेंटिंग सहित शतरंज की विसात पर चाल चलने का फन सिखने के लिए जिज्ञासा लिए रोज प्रतिभागी पहुंच रहे हैं। इस कैंप का उद्देश्य भी बच्चों की गर्मी की छुट्टियों को रचनात्मक और उपयोगी बनाना है। सीमित सीटें होने के कारण अभिभावकों से 01 से 16 मई तक चलने वाले कैंप के दूसरे बैच के लिए पंजीयन की प्रक्रिया शुरू की गई है। केन्द्र से मिली जानकारी के अनुसार अभी तक दूसरे बैच के लिए 30 छात्र-छात्राओं ने पंजीयन करवा लिया है। इसके बाद 16 से 30 मई के लिए तीसरा बैच भी संचालित किया जाएगा।

सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विद्यार्थियों को रोजगार और नवाचार बढ़ाने मिलेगा बल

रायपुर। एनआईटी और सिलिकॉन पैटर्न्स हैदराबाद के बीच सेमीकंडक्टर और वीएलएसआई अभिकल्पना के क्षेत्र में एमओयू किया गया। संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग ने शुक्रवार को सिलिकॉन पैटर्न्स हैदराबाद के साथ यह समझौता किया, जो सेमीकंडक्टर और वीएलएसआई अभिकल्पना के क्षेत्र में उद्योग और शैक्षणिक जगत के बीच समन्वय को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योग जगत के लिए सक्षम बनाना है, जिसमें उन्हें वास्तविक अनुभव प्रदान करने पर विशेष बल दिया जाएगा। यह पहल कौशल विकास और आत्मनिर्भर भारत जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य स्वदेशी अभिकल्पना क्षमता और नवाचार को प्रोत्साहित करना है। इस सहयोग के अंतर्गत विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रक्रियाओं का अनुभव, सरकार समर्थित ईडीए उपकरणों का प्रायोगिक ज्ञान प्रदान करना तथा कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता जैसे अवसर प्राप्त होंगे।

आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य को और सशक्त करेगा

यह समझौता विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता और नवाचार क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा एवं भारत को सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य को और सशक्त करेगा। एनआईटी और सिलिकॉन पैटर्न्स हैदराबाद के बीच सेमीकंडक्टर और वीएलएसआई डिजाईन के क्षेत्र में उद्योग–शैक्षणिक सहयोग हेतु एमओयू पर हस्ताक्षर संस्थान के विद्यार्थियों के लिए बेहतर अवसर देने वाला साबित होगा। इस अवसर पर सिलिकॉन पैटर्न्स हैदराबाद की ओर से राजकुमार, डॉ. नम्रता गुप्ता, पंकज चौबे और आकांक्षा सिन्हा भी शामिल हुईं। वहीं संस्थान के निदेशक डॉ. एनवी रमना राव, प्रोफेसर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग डॉ. श्रीश वर्मा, डीन कॉर्पोरेट रिसोर्सेज एंड रिसोर्स मोबिलाइजेशन डॉ. एस. सान्याल, विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग डॉ. बिजयानंद पटनायक, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग से डॉ. बी. आचार्य, डॉ. चित्रकांत साहू तथा डॉ. आलोक नौगरहिया उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों के कॅरियर मार्गदर्शन के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी

रायुपर। अग्रसेन महाविद्यालय में छात्रों के लिए विशेष काउंसिलिंग कमेटी का गठन किया गया है। पुरानी बस्ती स्थित अग्रसेन महाविद्यालय में छात्रों के मार्गदर्शन के लिए हेल्पलाइन नंबर 777884998 जारी किया है। महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अमित अग्रवाल ने कहा कि स्कूल के बाद कॉलेज के विषय और परीक्षा को लेकर छात्रों में कश्मकश रहती है। किस क्षेत्र में रोजगार के अवसर क्या हैं, यह मार्गदर्शन देने के लिए महाविद्यालय का ये हेल्पलाइन नंबर है, जिससे छात्रों को लाभ मिलेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यूलेंद्र राजपूत ने कहा कि महाविद्यालय परिसर में भी कमेटी छात्रों के मार्गदर्शन के लिए बनाई गई है।

शहर के नए जमाने के पाठक मनोरंजन, माटिवशनल व शब्द ज्ञान अर्जित करने खूब पढ़ रहे किताब

कार्नर न्यूज

मुंशी प्रेमचंद, मैथिलीशरण गुप्त और मोहन राकेश की कविताएं, उपन्यास-कहानी नए पाठकों को दे रही प्रेरणा

रायपुर। हिन्दी काव्य-साहित्य के अमर उपन्यासकार, कवि और विचारक मुंशी प्रेमचंद की अमर रचनाएं सेवा सदन, गोदान, गबन, निर्मला, राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की साकेत, महान कथाकार मोहन राकेश की अंधेरे बंद कमरे में जैसी किताबें बेस्ट सेलर बनी हुई हैं। शहर के नए जमाने के पाठक इन किताबों को पढ़कर प्रेरणा हासिल करने और शब्द ज्ञान अर्जित करने खूब पढ़ रहे हैं। शहर के जय स्तंभ चौक स्थित प्रसिद्ध किताबघर कुशाल बुक प्वाइंट के संचालक कुशाल पारेक ने बताया कि हिंदी साहित्य के लिजेंड्री राइटर्स की किताबें आज भी डिमांड में बनी हुई हैं। नए जमाने के युवा पाठक हो या अफसर, राजनेता, छात्र-छात्राएं, हर वर्ग के लोग इनकी किताबों को प्रेरणा व ज्ञानवर्धन के लिए खरीद रहे हैं। इन किताबों की कीमत भी बजट में है और इनकी कहानियां हर काल-समय के अनुरूप प्रासंगिक होने के कारण पाठकों को पढ़ने में रस मिल रहा है। साथ ही शहर के पुस्तक प्रेमियों में अब बड़ी संख्या में बच्चे भी शामिल हो गए हैं। मुंशी प्रेमचंद का उपन्यास 'सेवा सदन दहेज प्रथा और नारी सशक्तिकरण जैसे सामाजिक मुद्दों पर केंद्रित है। साकेत राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त द्वारा रचित 12 सर्गों का एक अमर हिंदी महाकाव्य है, जो रामायण की घटनाओं को उर्मिला के दृष्टिकोण से प्रस्तुत करता है। अंधेरे बंद कमरे यह मोहन राकेश द्वारा रचित एक प्रमुख हिंदी उपन्यास है, जो महानगर के मध्यमवर्गीय जीवन की कुंठाओं, दाम्पत्य संबंधों के बिखराव और मानसिक द्वंद्व को चित्रित करता है।

विश्वगुरु, नौकर की कमीज, सपनों के सौदागर को पढ़ रहे युवा पाठक

नीलोत्पल मृणाल की किताब विश्वगुरु, विनोद कुमार शुक्ल की नौकर की कमीज और अजीत जोगी की सपनों के सौदागर को शहर के युवा पाठक खूब पढ़ना पसंद कर रहे हैं। साथ ही दिव्य प्रकाश दुबे की अक्टूबर जंक्शन भी युवा पीढ़ी के पुस्तक प्रेमियों को आकर्षित कर रही है। नीलोत्पल मृणाल द्वारा रचित विश्वगुरु एक समकालीन हिंदी उपन्यास है, जो रील और शॉर्ट्स के युग में युवा पीढ़ी के संघर्ष, शिक्षा और सरकारी नौकरी की अंधी दौड़ को दर्शाता है।

बच्चों को भा रहीं सुधा मूर्ति व रोआल्ड डाहल की कहानियां

रोआल्ड डाहल द्वारा लिखी गई कुछ सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय पुस्तकें में चार्ली एंड द चॉकलेट फैक्ट्री को पढ़ना बच्चों को खूब भा रहा है। रोआल्ड डाहल की सबसे प्रसिद्ध पुस्तकों में से एक है, जो विली वोंका की चॉकलेट फैक्ट्री के बारे में है। इसके अलावा मैटिल्डा नामक पुस्तक एक छोटी बच्ची की कहानी पर आधारित, जो बुद्धिमान है और जादू कर सकती है। रोआल्ड डाहल के बारे में कहा जाता है कि उनकी पुस्तकें बच्चों के लिए बेहतरीन और कल्पनाशील होती हैं। दूसरी किताबों में सुधा मूर्ति की बच्चों के लिए सबसे लोकप्रिय पुस्तकें सरल भाषा, नैतिक शिक्षा और भारतीय संस्कृति से जुड़ी हैं। उनकी प्रसिद्ध किताबों में दादी मां की कहानियों का पिटारा, दि मैजिक ऑफ दि लॉस टेम्पल, ये पुस्तकें बच्चों को कहानी के माध्यम से जीवन के मूल्य सिखा रही हैं।

सिटी लाइव

संस्कृत भाषा सिखाने प्रचार समिति युवाओं को अब गर्मी में देगी मौका

रायपुर। संस्कृत भाषा का बोध कराने के लिए इस गर्मी में भी संस्कृत भारती शिविर का आयोजन करने की तैयारी में है। प्रांतमंत्री डॉ. प्रवीण झाड़ी एवं रायपुर महानगर प्रचार प्रमुख पं. चंद्रभूषण शुक्ला ने बताया कि संस्कृत भारती संस्था लगभग हर राज्य में सेवा दे रही है। हर वर्ष राज्य स्तरीय संस्कृत प्रशिक्षण शिविर लगाया जाता है। संस्था का मुख्य उद्देश्य संस्कृत भाषा का पुनरुत्थान, इसका प्रचार प्रसार, संस्कृत ग्रंथों का संरक्षण, संस्कृत के माध्यम से देशसेवा एवं संस्कृत को बोलचाल की भाषा बनाना तथा संस्कृत में करियर बनाना है। संस्कृत भारती का प्रधान कार्यालय दिल्ली में है, जहां अभी अक्षय तृतीया के पुण्य पर्व पर प्रणव नां सो भव्य कार्यालय का शुभारंभ किया गया है।

6 से 14 मई तक विशाल शिविर

शिक्षण प्रमुख डॉ. दादूभाई त्रिपाठी एवं प्रांत प्रचार प्रमुख डॉ. गोपेश तिवारी ने बताया कि हर वर्ष संस्कृत सम्मेलन व प्रांत स्तरीय शिविर लगाया जाता है, जिसमे सभी जिलों से संस्कृत प्रेमी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं पुरुष व अन्य गृहिणी महिलाएं भी भाग लेती हैं। इस वर्ष यह शिविर सरस्वती शिशु मंदिर जगदलपुर में 6 मई से 14 मई तक आयोजित है, जिन्हें रुचि हो वे पंजीयन करा सकते हैं। इस संस्कृत प्रशिक्षण शिविर में हर कार्य को संस्कृत में, हर वस्तु को संस्कृत में बोलना सिखाया जाता है। संस्कृत में गीत, नाटक, कहानी सहित खेल खिलाया जाता है, जिससे धीरे-धीरे सभी संस्कृत बोलने में माहिर हो सकें।

विश्व पेंगुइन दिवस पर विशेष : राजधानी के कई गार्डन और मकान की मुंडेर पर भी बना दिया है पक्षियों का बसेरा

पक्षी प्रेमी बुलबुल, गौरैया, कोयल की आवाज सुनने के लिए सुराही से बनाते हैं घोंसला, दे रहे दाना-पानी

वैसे तो हर दिन किसी न किसी वजह से खास होता है, लेकिन विश्व पेंगुइन दिवस पक्षी प्रेमियों के लिए विशेष मायने रखता है। पक्षी प्रेमी जहां सालभर कोयल, बुलबुल और गौरैया की मधुर आवाज सुनने के लिए सुराही, प्लास्टिक के डिब्बों को काटकर उनके लिए दाना और पानी की सुविधा देने के लिए कई तरह के जतन करते हैं। शनिवार को जब पेंगुइन दिवस है तो ऐसे में पक्षी प्रेमियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों को याद करना लाजिमी हो जाता है। शहर में बढ़ती बसाहट के बीच कई ऐसे पक्षी प्रेमी हैं, जो घर की मुंडेर, छत और आसपास के गार्डन में भी पक्षियों का बसेरा तैयार करने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

रायपुर। विश्व पेंगुइन दिवस मुख्य रूप से पेंगुइन के संरक्षण और उनके आवास की सुरक्षा के साथ जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 25 अप्रैल को मनाया जाता है। यह दिन एडेली पेंगुइनों के वार्षिक प्रवास और मेल के साथ ही उनके अस्तित्व के लिए जरूरी पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने के लिए याद किया जाता है। यह दिवस पक्षी प्रेमियों को इस बात के लिए भी प्रेरित करता है कि पेंगुइन की सभी 18 प्रजातियों में से एम्परर पेंगुइन, जलवायु परिवर्तन और भोजन की कमी के कारण खतरे में हैं। इस दिवस की शुरुआत इसलिए हुई, क्योंकि वैज्ञानिकों का मत है कि एडेली पेंगुइन हर साल 25 अप्रैल के आसपास अपने प्रजनन स्थलों की तरफ लौटते हैं। यह दिन आम लोगों को पेंगुइन के नाजुक आवास की रक्षा करने और उनके जीवन को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित करता है।

पक्षियों को आश्रय देने के लिए पहल

श्री मिश्रा ने बताया कि ग्रीष्म ऋतु पक्षियों के प्रजनन काल का समय होता है, इसलिए वे अपने मूल क्षेत्र में वापस लौटते हैं। गर्मी में उनके लिए दाना और पानी की सुविधा देने के लिए लोगों को सहयोग स्वरूप सुराही उपलब्ध कराते हैं, ताकि लोगों के एक प्रयास और जागरूकता से पक्षियों को आश्रय मिल सके। गीता वाटिका के अलावा अपने मकान में ही 18 जगह सुराही से घोंसला बना दिया है। इससे सुबह पक्षियों की सुमधुर आवाज से घर का वातावरण आकर्षक बनता है। गिलहरी, कोयल, बुलबुल और गौरैया की आवाज गीता वाटिका में गूंजती है। कई बच्चे गुलेल से सुराही तोड़ देते हैं, ऐसी स्थिति में नई सुराही लगाने के लिए मशक्कत भी करनी पड़ती है।

पक्षियों का जीवन बचाने के लिए करें प्रयास

पक्षी प्रेमी विकास शर्मा और अनिल वर्मा ने बताया कि शहरी परिवेश में जगह सीमित रह गई है, इसलिए पक्षियों को आश्रय देने के लिए अपने आसपास के गार्डन में सुराही, पानी बोतल, प्लास्टिक के डिब्बे की मदद से भी पक्षियों के लिए आशियाना बनाते हैं। जब भी खाली समय मिलता है, आसपास के गार्डन में पक्षियों को उपयुक्त वातावरण देने का प्रयास करते हैं, ताकि सुबह जब डगनिया गार्डन और पचपेड़ी नाका के पास स्थित वॉलफोर्ट सिटी का वातावरण भी पक्षियों के अनुरूप बनाया जा सके। इसके लिए छोटे-छोटे स्तर पर उन्हें बचाने के लिए प्रयास करते हैं। उनका मत है कि लोगों का भी दायित्व बनता है कि वे विलुप्त होते पक्षियों का जीवन बचाने प्रयास करें।

सुबह गूंजती है पक्षियों की मधुर आवाज

अग्रोहा कालोनी में स्थित गीता वाटिका के पास रहने वाले पक्षी एवं कलाप्रेमी विजय कुमार मिश्रा ने अपने घर के हर उस स्थान में पक्षियों के लिए घोंसला बना रखा है, जहां उन्हें बेहतर माहौल मिले। छोटा परिवार होने से शोर-शराबे की समस्या भी नहीं होती है। उन्होंने बताया कि नानी को टूटी हुई सुराही और घड़े की मदद से पक्षियों के लिए बसेरा बनाते बचपन में देखता था। उनकी आवाज सुनते ही दाना-पानी के लिए बनाई गई व्यवस्था से पक्षी स्वतः जुड़ते थे। धीरे-धीरे पक्षियों के प्रति लगाव बढ़ा और 35 साल से खुद पक्षियों का बसेरा बनाने और दाना-पानी देने के लिए 8 से 10 हजार का बजट खर्च करता हूं। गीता वाटिका में तारों की मदद से 150 से ज्यादा जगह घोंसला बनाया है।

समाज लाइव

आमजनों को थैरेपी की सुविधा देने सिख फोरम ने की पहल

रायपुर। छत्तीसगढ़ पंजाबी एसोसिएशन एवं छत्तीसगढ़ सिख फोरम द्वारा श्री गुरु तेगबहादुर भवन में गत दिनों स्वास्थ्य सुविधाओं से युक्त थैरेपी सेंटर का लता गुप्ता सीनियर थेरेपिस्ट मुंबई एवं बलदेव सिंह भाटिया द्वारा शुभारंभ किया गया, जिसमें शहर के सभी वर्ग के लोग अलग-अलग क्षेत्र से सेंटर में हकलाने, तुतलाने, सुनने, महीन आवाज, किसी भी किस्म की आवाज संबंधी समस्या के निदान के लिए सेंटर पहुंचे। जहां विशेषज्ञ लता गुप्ता अपनी सेवाएं दे रही हैं, वहीं डॉ. जसलीन से एक्यूप्रेशर, योगा, कलर थेरेपिस्ट द्वारा सिरदर्द, सर्दी, खांसी, माइग्रेन, कब्ज, थकान, सुस्ती, जोड़ों के दर्द का इलाज कराने के लिए पहुंचे। इसके अलावा डॉ. मनीषा मैराल (पीएचडी मनोविज्ञान सलाहकार) ने तनाव, अनिद्रा, एंग्जायटी, डिप्रेशन, बच्चों, युवाओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर दिशा निर्देश देते हुए उनकी काउंसिलिंग की।

जांच के लिए कलेक्शन सेंटर भी बनाया

फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. स्वीटी द्वारा कमर दर्द, गर्दन में दर्द, हाथ-पैर में झनझनाहट, जलन, शोल्डर आदि का मशीनों से इलाज किया जा रहा है। डायटिशियन डॉ. शीला शर्मा खानपान को देखते हुए संतुलित स्वस्थ आहार की जानकारी देती हैं। डॉ. अकबर व सहायकों द्वारा स्पून पेशाब आदि की जांच के लिए कलेक्शन सेंटर भी बनाया गया है। सिख फोरम और पंजाबी एसोसिएशन द्वारा विगत 17 वर्षों से एम्बुलेंस सेवा, निर्धन छात्र, छात्राओं को शिक्षा के लिए सहायता एवं फीस की व्यवस्था, जरूरी स्वास्थ्य समस्या निवारण और उपचार में सहयोग किया जा रहा है।

शादी-पार्टी में छाया 'रेंटल फैशन' का क्रेज, किराए पर लेकर पहन रहे लाखों के डिजाइनर आउटफिट

रायपुर। शादी हो या पार्टी, घूमना-फिरना हो या कोई खास आयोजन, हर कोई इन मौकों पर सबसे अलग और स्टाइलिश दिखना चाहता है। बेहतरीन लुक के लिए सही ड्रेस का चुनाव बेहद जरूरी है, लेकिन बड़े डिजाइनर्स के आउटफिट्स की भारी-भरकम कीमत अक्सर आम लोगों का बजट बिगाड़ देती है। इसी समस्या का समाधान बनकर उभरा है 'रेंटल फैशन', यानी कपड़ों को किराए पर लेने का बाजार। एक दिन के फंक्शन के लिए महंगी ड्रेसेज खरीदकर आलमारी में कैद करने के बजाय अब युवा किराए के कपड़ों को स्मार्ट चॉइस मान रहे हैं। इको-फ्रेंडली फैशन के इस दौर में अब लोग सेलिब्रिटीज की तरह अपने मनपसंद डिजाइनर कपड़े किराए पर लेकर अपने शौक पूरे कर रहे हैं।

लाखों के डिजाइनर लहंगे हजारों के किराए पर उपलब्ध

यह ट्रेंड सिर्फ आम कपड़ों या छोटी दुकानों तक सीमित नहीं है, बल्कि हाई-एंड डिजाइनर मार्केट में भी तेजी से बढ़ रहा है। त्योहारों और बड़े फंक्शंस में वन पीस, गाउन, डिजाइनर लहंगे और महंगी शेरवानी के लिए अब मोटी रकम चुकाने की जरूरत नहीं है। कई मशहूर मॉडल्स और आम ग्राहक अब क्लोथिंग रेंटल कंपनियों का रूख कर रहे हैं, जहां लाखों की कीमत वाले कपड़े महज कुछ हजार के किराए पर आसानी से मिल जाते हैं।

सिक्योरिटी डिपॉजिट और समयसीमा तय

इस व्यवसाय को सुरक्षित बनाने के लिए कुछ सख्त नियम भी बनाए हैं। किसी भी कपड़े को किराए पर लेते समय ग्राहक को एक निर्धारित 'सिक्योरिटी डिपॉजिट' करनी होती है, जो कपड़े की सुरक्षित वापसी पर लौटा दी जाती है। इसके अलावा एक ड्रेस को अधिकतम तीन से चार दिन के लिए ही किराए पर दिया जाता है। यदि कोई ग्राहक तय समयसीमा से अधिक दिनों तक कपड़े अपने पास रखता है तो उसे अतिरिक्त किराया चुकाना पड़ता है।

समय और पैसे दोनों की बचत

किराए के कपड़ों का यह चलन फिजूलखर्ची रोकने का एक बड़ा जरिया बन गया है। शहर में पुरानी बस्ती स्थित रेंटल फैशन की दुकानों में शादी, पार्टी या फिर अन्य आयोजन के लिए महीने में 200 से अधिक लोग पहुंच रहे हैं। दुकानदार का कहना है कि नौकरीपेशा व्यक्ति के पास इतना समय नहीं होता कि वह पहले बाजार जाकर कपड़ा खरीदे और फिर उसे दर्जी से सिलवाए। नए कोट-पैंट या सूट बनवाने में करीब 10 हजार रुपए तक का खर्च आ जाता है। वहीं किराए की दुकान से 500 से 1000 रुपए के भीतर बेहतरीन कोट-पैंट या ब्लेजर मिल जाता है। इससे समय और मेहनत के साथ-साथ पैसों की भी भारी बचत होती है।

110 पुरुषों और 80 महिलाओं ने 190 यूनिट किया रक्तदान

रायपुर। संत निरंकारी मिशन की शाखा में शुक्रवार को मानव एकता दिवस के अवसर पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 110 पुरुषों ने एवं 80 महिलाओं ने रक्तदान कर मानव सेवा के लिए योगदान दिया। इस शिविर का उद्घाटन कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने किया। शिविर में पिता और पुत्र, पति और पत्नी एवं भाई-बहन ने रक्तदान कर एक मिसाल कायम की। समाज के विभिन्न वर्गों से भी इसमें मानव एकता के लिए सेवाएं अर्पित कीं। प्रथम बार रक्तदाताओं की संख्या इस बार 12 रही। निरंकारी मिशन की प्रमुख सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के आदेशानुसार यह आयोजन किया गया।

आध्यात्मिक क्षेत्र में कर्म का विशेष महत्व

इस अवसर पर खांच के जोनल इंचार्ज गुरबक्श सिंह कालरा ने भी 103 बार रक्तदान कर युवाओं को इस मानव एकता के कार्य हेतु प्रेरित किया। मीडिया प्रभारी प्रेम सिंह धामी ने भी 84 बार रक्तदान कर अपने गुरु के आदेश की पालना की। आध्यात्मिक क्षेत्र में कर्म का विशेष महत्व है, मानव सेवा हेतु स्वयं को हमेशा आगे रखना निरंकारी मिशन की विशेषता रही है। पर्यावरण हो या जलस्त्रोतों की सफाई, वृक्षारोपण हो या सफाई अभियान, संत निरंकारी मिशन के सेवादार सामाजिक शाखा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तहत गुरु के आदेश पर इन सेवाओं को करने के लिए तत्पर रहते हैं।

कमलादेवी संगीत महाविद्यालय में सत्र 2025–26 संगीत की प्रायोगिक परीक्षाएं प्रारंभ

संगीत की प्रायोगिक परीक्षा में विद्यार्थियों ने राग यमन, भैरव मध्यलय, त्रिताल, दादरा, रूपक का किया रियाज, दी प्रस्तुति

कमलादेवी संगीत महाविद्यालय में संगीत संकाय की प्रायोगिक परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। ये प्रतियोगी परीक्षा इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ द्वारा सत्र 2025–26 की वार्षिक परीक्षाओं के अंतर्गत आयोजित की जा रहा है। यह परीक्षा 22 अप्रैल से शुरू हो चुकी है, जो एक सप्ताह तक आयोजित होगी। कमलादेवी संगीत महाविद्यालय के गायन के प्रोफेसर दीपक बेड़ेकर ने बताया कि संगीत शिक्षा में लिखित परीक्षा के पश्चात प्रायोगिक परीक्षा का विशेष महत्व होता है, क्योंकि बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट एवं मास्टर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट जैसे पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की वास्तविक दक्षता का मूल्यांकन उनके प्रदर्शन, रियाज एवं प्रस्तुति के आधार पर किया जाता है।

रायपुर। महाविद्यालय में शास्त्रीय गायन, सुगम संगीत, बेला वादन, सितार वादन, कथक नृत्य एवं एकल तबला वादन जैसे विविध विषयों की परीक्षाएं आयोजित हो रही हैं। इस परीक्षा में विद्यार्थियों का मूल्यांकन संगीत के विषय विशेषज्ञ प्रोफेसरों के माध्यम से किया जा रहा है। इस दौरान बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट एवं मास्टर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट के विद्यार्थी प्रायोगिक परीक्षा में राग यमन, भैरव, मध्यलय, त्रिताल, दादरा, रूपक का रियाज व प्रदर्शन कर मूल्यांकन करा रहे हैं।

400 से अधिक परीक्षार्थी विभिन्न विषयों में दे रहे परीक्षा

गायन के प्रोफेसर नारायण दत्त केहरी ने बताया कि इस सत्र में लगभग 400 से 500 परीक्षार्थी विभिन्न विषयों में परीक्षाएं दे रहे हैं। वार्षिक परीक्षाओं के साथ-साथ नई शिक्षा नीति के अंतर्गत द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं भी संचालित की जा रही हैं। इसमें विद्यार्थी अपने मुख्य विषय के साथ अन्य संगीत विषयों का चयन भी कर रहे हैं, जैसे गायन के साथ सुगम संगीत, तबला या वायलिन के मधुर सुर-संगम से महाविद्यालय का माहौल संगीतमय हो रहा है।

वाइवा के साथ मंच प्रदर्शन भी शामिल

उच्च कक्षाओं में प्रायोगिक परीक्षा के अंतर्गत केवल मौखिक वाइवा ही नहीं, बल्कि मंच प्रदर्शन भी शामिल है, जिसमें विद्यार्थियों की प्रस्तुति कौशल, मंच संचालन एवं अभिव्यक्ति का मूल्यांकन किया जा रहा है। बीपीए प्रथम वर्ष एमपीए प्रथम वर्ष गायन के विद्यार्थियों की परीक्षा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। वहीं बीपीए द्वितीय वर्ष एमपीए द्वितीय वर्ष गायन, वादन, नृत्य का सहित अन्य विषयों के प्रायोगिक परीक्षाएं आयोजित हो रही हैं। यह समूचा परीक्षा सत्र संगीत साधना, अनुशासन एवं कला के प्रति समर्पण का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

पारंपरिक परिधान में परीक्षा देने पहुंचे परीक्षार्थी

महाविद्यालय का वातावरण इन दिनों एक उत्सव जैसा दिखाई दे रहा है। सुबह से शाम तक विद्यार्थी अपने-अपने परीक्षा कक्षों में पूरी तैयारी के साथ उपस्थित हो रहे हैं। पारंपरिक भारतीय परिवेश भी देखने को मिल रहा है, जहां छात्राएं साड़ी में एवं छात्र कुर्ता-पैजामा में परीक्षा देने पहुंच रहे हैं। गायन के विद्यार्थी अपने गले का विशेष ध्यान रखते हुए ठंडे पदार्थों से परहेज कर रहे हैं, वहीं नृत्य के विद्यार्थी शारीरिक अभ्यास एवं नियमित रियाज में जुटे हुए हैं। महाविद्यालय परिसर में कोई रियाज करता दिखाई देता है, कोई अपनी प्रस्तुति को अंतिम रूप दे रहा है तो कोई अपनी बारी की प्रतीक्षा में बेसब्र होते दिख रहा है।

हेल्थ टिप्स

गर्मियों में इम्यूनिटी पर नहीं आएगी कोई आंच, करें ये काम

गर्मियों में आप भी बार-बार बीमार पड़ने से बचना चाहते हैं, तो आप ये आसान उपायों को अपनाकर अपनी इम्यूनिटी मजबूत कर सकते हैं। गर्मियों का मौसम अपने साथ, धूप, पसीना और लू लेकर आता है। इस मौसम में लोग बार-बार बीमार पड़ते हैं। ऐसे में जरूरी है कि इस मौसम में इम्यूनिटी मजबूत बनी रहे। अगर आप भी गर्मियों में ये 5 काम कर लेंगे, तो आप शरीर को एनर्जेटिक बनाए रखने के साथ-साथ इम्यूनिटी को बूस्ट कर लेंगे। हम आपको ऐसे उपायों के बारे में जानना चाहिए, जिससे आपकी सेहत पर आंच नहीं आएगी। दरअसल ये उपाय मेरा खुद का आजमाया हुआ है। गर्मियों में मैं खुद को हेल्दी रखने के लिए इन पांच बातों को जरूर फॉलो करती हूं।

गर्मियों में इम्यूनिटी को मजबूत कर सकते हैं ये उपाय

गर्मियों का मौसम पसीना निकालने वाला होता है, ऐसे में जितना हो सके आप लिक्विड डाइट लें, ताकि शरीर से जो वॉटर लॉस हो रहा है उसकी पूर्ति की जा सके। कम से कम 8 से 10 गिलास पानी पिएं। सौंफ धनिया सहित और भी कई तरह के मसाले हैं, जो शरीर को ठंडक देते हैं, इन्हें एक बार दिन में जरूर शामिल करें। आप नारियल पानी, बेल शरबत, गन्ने का जूस, नींबू पानी जैसे नेचुरल ड्रिंक का सेवन करें। छाछ को डाइट का हिस्सा बनाना बेहद फायदेमंद हो सकता है। ये सभी चीजें इम्यूनिटी को मजबूत बनाती हैं।

गर्मियों का मौसम आते ही मार्केट में एक से बढ़कर एक फल नजर आते हैं। ऐसे में मौसमी फलों को प्राथमिकता दें।जैसे, खरबूज, तरबूज,खीरा ककड़ी, लीची, अंगूर वगैरह खाएं। यह मौसमी फल पानी से भरपूर होते हैं, और इनमें विटामिन सी होता है,जो इम्यूनिटी को मजबूती देता है।

तला भुना खाना सबको पसंद आता है लेकिन यह आपकी इम्यूनिटी पर प्रहार कर सकते हैं। ऐसे में गर्मियों में जितना इनसे दूरी बनाई जाए अच्छा है। इसकी जगह पर आप दलिया, मूंग दाल की खिचड़ी, लौकी, तोरई जैसी सब्जियों को डाइट का हिस्सा बनाएं। ये बेहद हल्के होते हैं। इनमें फाइबर और प्रोटीन होता है,जो पाचन को बढ़ावा देता है।

गर्मी के कारण नींद की दिक्कत सबसे ज्यादा होती है। दिन हो या रात, किसी वक्त भी चैन नहीं मिलता है। ऐसे में कोशिश करें कि आप हर हाल में 8 घंटे की नींद लें। कमरे का तापमान ठंडा रखें और स्क्रीन से दूरी

बनाएं। इससे नींद अच्छी आती है। जब आप पूरी नींद लेंगे, तो इम्यून सिस्टम मजबूत होगा

और सबसे जरूरी है कि आप हाइजीन का ख्याल रखें। गर्मियों में धूल मिट्टी, पसीना बहुत ज्यादा होता है। ऐसे में हाथ धोने और रोजाना नहाने की आदत आपको वायरस और बैक्टीरिया से दूर रखती है।

इस मौसम में पानी की कमी सबसे बड़ा जोखिम, रहें सावधान

शरीर में होता है 60-65% पानी फिर कैसे हो जाता है डिहाइड्रेशन? समझिए इसके पीछे का पूरा साइंस

हमारे शरीर में 65-70 प्रतिशत की मात्रा पानी-तरल पदार्थों की होती है। मतलब शरीर में पर्याप्त तरल मौजूद होते हैं, ऐसे में सवाल है कि गर्मियों में फिर हमारा शरीर डिहाइड्रेशन का शिकार कैसे हो जाता है? आखिर इसके पीछे क्या कारण है? आइए इसे समझते हैं।

राजधानी दिल्ली-एनसीआर सहित देश के ज्यादातर हिस्सों में जारी भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान ने स्वास्थ्य से संबंधित तमाम तरह के जोखिमों को बढ़ा दिया है। गर्मियों के इस मौसम में सबसे ज्यादा जोखिम डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पानी की कमी का होता है। डिहाइड्रेशन के कारण हल्के से लेकर गंभीर, कई तरह के खतरे हो सकते हैं। पहले से ही किसी क्रॉनिक बीमारी जैसे डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर या फिर हृदय रोगों के शिकार व्यक्तियों के लिए डिहाइड्रेशन जानलेवा जोखिम तक पैदा कर सकता है।

हम अक्सर सुनते हैं कि इंसानी शरीर का लगभग 60-65% हिस्सा पानी या तरल पदार्थों का होता है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब शरीर पहले से ही इतना तरल से भरा हुआ है, तो गर्मियों में डिहाइड्रेशन की समस्या क्यों हो जाती है? गर्मियों में शरीर का पूरा पानी कहां चला जाता है। आइए इसे विस्तार से समझते हैं।

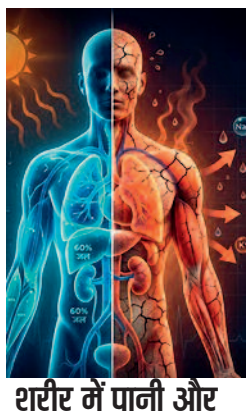

शरीर में पानी और तरल पदार्थों की मात्रा

तरल पदार्थों से भरपूर हमारे शरीर में गर्मियों में पानी की कमी क्यों हो जाती है, इसे समझने के लिए पहले ये जानना जरूरी है कि शरीर में पानी कहां-कहां होता है? और ये शरीर के तमाम कार्यों में कैसे मदद करता है?

हमारे शरीर का अधिकतम हिस्सा पानी होता है, जिसका औसत लगभग 60-65% होता है। शरीर में पानी की मात्रा अलग-अलग स्थितियों जैसे कि उम्र, लिंग और हाइड्रेशन के स्तर के हिसाब से थोड़ी-बहुत बदल सकती है। उदाहरण के लिए, बच्चों के शरीर में पानी का प्रतिशत ज्यादा होता है, जो उम्र बढ़ने के साथ-साथ कम होता जाता है। इसके अलावा, शरीर की बनावट जैसी दूसरी चीजें भी इसमें भूमिका निभाती हैं, क्योंकि मांसपेशियों के मुकाबले चर्बी वाले टिशू में पानी कम होता है। महिलाओं के शरीर में फैट की मात्रा आमतौर पर ज्यादा होती है यही कारण है कि पुरुषों के शरीर की तुलना में महिलाओं में पानी का प्रतिशत कम होता है।

शरीर में पानी कहां-कहां होता है?

हमारा शरीर पानी का भंडार नहीं है। ऐसा नहीं है कि पानी कहीं एक ही जगह पर हो, बल्कि यह एक बेहद जटिल वॉटर मैनेजमेंट सिस्टम की तरह है। पानी पूरे शरीर में मौजूद होता है। शरीर के कुल पानी का लगभग 60% हिस्सा कोशिकाओं में होता है, जबकि बाकी पानी कोशिकाओं के बाहर जैसे कि खून में मौजूद होता है। कुछ अंगों में दूसरे की तुलना में ज्यादा पानी होता है। उदाहरण के लिए फेफड़े, मांसपेशियों और किडनी में पानी की मात्रा सबसे ज्यादा होती है, जबकि हड्डियों में यह अनुपात सबसे कम होता है।

चूंकि शरीर का पानी किसी टैंक की तरह एक जगह स्टोर नहीं होता है इसलिए हमें इसके बैलेंस को बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहने की जरूरत होती है। शरीर के सभी कार्यों को ठीक से चलाने के लिए पर्याप्त पानी पीना बहुत जरूरी है। जब शरीर का तापमान बढ़ता है तो शरीर खुद को ठंडा करने के लिए पसीना निकालता है, इसमें पानी का सबसे ज्यादा उपयोग होता है। कोशिकाओं का काम करने के लिए पानी की निरंतर जरूरत होती है। शरीर से बेकार चीजों को बाहर निकालने के लिए पानी जरूरी है। इसमें भी पानी की ज्यादा जरूरत होती है। शरीर में मौजूद हर बूंद पानी का एक काम है चाहे वह खून को बहने में मदद करना हो या शरीर का तापमान नियंत्रित करना हो, पाचन को आसान बनाना हो या फिर कोशिकाओं तक पोषण पहुंचाना हो। गर्मियों में यही संतुलन बिगड़ जाता है।

दर्द से छुटकारा पाने दवाएं के साथ योगासन भी है उपयोगी

गलत लाइफस्टाइल और खान पान में पोषण की कमी के कारण लोग कई तरह की शारीरिक समस्याओं से पीड़ित हो जाते हैं। आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में काम के चक्कर में लोगों को इधर-उधर भाग दौड़ करनी होती है। व्यस्त शेड्यूल की वजह से शरीर को आराम न मिल पाने पर व्यक्ति के पैरों पर दबाव पड़ता है और पैरों में दर्द की समस्या हो जाती है। गड़बड़ जीवनशैली और लगातार बैठे रहने की आदत के कारण हाथ और पैरों में दर्द बढ़ जाता है। लोग इस शारीरिक दर्द को दूर करने के लिए और हाथ पैर को आराम दिलाने के लिए मालिश करते हैं। मालिश से दर्द में त्वरित आराम तो मिल जाता है लेकिन दर्द लगातार लंबे समय तक बना रहता है। इसलिए शरीर दर्द से निजात के लिए स्थाई इलाज के तौर पर योग फायदेमंद है। योग विशेषज्ञ के मुताबिक, नियमित योगाभ्यास से हाथ पैर में दर्द की समस्या को कम किया जा सकता है। कुछ आसन ऐसे होते हैं, जो पैरों की मांसपेशियों को मजबूती देते हैं और हल्का महसूस कराने में मदद करते हैं। आगे की स्लाइड्स में जानिए हाथ पैर के दर्द से छुटकारा दिलाने वाले योगासन के बारे में।

सेतुबंधासनः इस आसन को ब्रिज पोज योग भी कहते हैं। सेतुबंधासन पैरों और कमर दर्द से छुटकारा दिलाने में लाभदायक माना जाता है। इस आसन को करने से पैरों की मांसपेशियों में रक्त का संचार बढ़ता है। जिससे पैरों में होने वाला दर्द ठीक होने लगता है। सेतुबंधासन करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं।

फ्राइड फूड को क्रिस्पी बनाने के लिए अपनाएं छोटे-छोटे टिप्स

अक्सर ऐसा होता है कि हम अपने रोजमर्रा की दाल-रोटी व सब्जी से अलग कुछ टेस्टी व डिलिशियस खाना चाहते हैं। ऐसे में अक्सर हमारा मन फ्राइड फूड खाने का करता है। क्रिस्पी-क्रिस्पी फ्राइड फूड की बात ही कुछ और होती है। वह आपको एक अलग कंफर्ट का अहसास करवाते हैं।

करें कोटिंग

फ्राइड फूड को एक्स्ट्रा क्रिस्पी बनाने का एक आसान तरीका होता है कि आप अपने खाने पर लाइट और क्रिस्पी कोटिंग करें। इसके लिए आप कॉर्नस्टार्च या ब्रेडक्रंब आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं। दरअसल, इस कोटिंग से फूड और तेल के बीच में एक बैरियर बनता है। कोटिंग करने से फ्राइड फूड अंदर से सॉफ्ट रहता है, जबकि बाहर से यह एकदम क्रिस्पी हो जाता है।

तेल का तापमान

फ्राइड फूड को हम गर्म तेल से में तलते हैं, लेकिन वह एकदम सही तरह से पक जाए और साथ ही साथ क्रिस्पी भी बने, इसके लिए जरूरी है कि आप पहले तेल के तापमान का भी ख्याल रखें। यदि तेल पर्याप्त गर्म नहीं होगा तो भोजन बहुत अधिक तेल सोख लेगा और वह क्रिस्पी होने की जगह ऑयली व सॉगी महसूस होगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि तेल सही तापमान पर पहुंचे, आप डीप-फ्राई थर्मामीटर का उपयोग कर सकते हैं।

सीएसवीटीयू की खिलाड़ी किरत ने गतका में जीता कांस्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (सीएसवीटीयू) की छात्रा एवं प्रतिभाशाली गतका खिलाड़ी किरत कौर ने यूनिवर्सिटी ऑफ कोटा राजस्थान में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय गतका (महिला) प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अर्जित कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है। इस अवसर पर कुलपति डॉ. अरूण अरोरा, कुलसचिव डॉ. अमित सिंह राजपूत, परीक्षा नियंत्रक डॉ. रोहित कुमार मिरी एवं प्र. विश्वविद्यालय खेल निदेशक किशोर कुमार भारद्वाज ने आरसीईटी भिलाई की छात्रा किरत कौर, टीम कोच हरविंदर सिंह तथा टीम मैनेजर कोंडल राव वरिष्ठ खेल अधिकारी बीआईटी दुर्ग को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आशा व्यक्त की है कि भविष्य में भी सीएसवीटीयू के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश एवं विश्वविद्यालय का नाम रोशन करते रहेंगे।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

डीजे फिके को म्यूजिक बजाना पड़ा महंगा, महिला ने किया हमला

डीजे फिके को उस वक्त परेशानी का सामना करना पड़ा जब उन्होंने खुले आसमान के नीचे परफॉर्म करना शुरू किया। परफॉर्मेंस के दौरान एक महिला ने उन पर हमला कर दिया। यह घटना फ्रांस के मार्सिले में हुई, जहां फिके एक बेहद खूबसूरत आउटडोर जगह पर परफॉर्मेंस दे रहे थे। इसी बीच एक महिला परफॉर्मेंस के दौरान उनके पास आई और उनसे म्यूजिक बंद करने को कहा। फिके ने तुरंत उनकी बात मान ली और म्यूजिक की आवाज धीमी कर दी। हालांकि, मामला यहीं शांत नहीं हुआ। वह महिला लगातार उनसे बहस करती रही और पुलिस बुलाने की धमकी भी दी। हालात को शांत करने की फिके की तमाम कोशिशों के बावजूद, दोनों के बीच तनाव बढ़ता गया। महिला ने चिल्लाते हुए कहा, 'तुम खुद को समझते क्या हो?'। वह लगातार अपशब्दों का इस्तेमाल करती रही। फिके जिन्हें फ्रेंच भाषा समझ नहीं आती थी, उन्होंने अपनी बात समझाने की कोशिश की, लेकिन महिला का हंगामा जारी रहा। महिला ने कहा कि आप वहीं रुके रहें अभी पुलिस आती ही होगी। जब फिके ने वहां से जाने की कोशिश की, तो महिला ने उन पर कॉफी फेंक दी। इसके बाद दोनों के बीच हाथापाई भी हुई। खबरों के मुताबिक, जब फिके ने महिला से उचित दूरी बनाए रखने को कहा, तो उसने उन पर हमला किया और उन्हें थप्पड़ भी मारा। एक समय तो ऐसा भी आया, जब महिला ने जमीन से एक पत्थर उठा लिया, जिससे ऐसा लगा कि वह फिके पर दोबारा हमला करने की तैयारी में है। हालांकि, हमला करने से पहले ही वह लड़खड़ाकर जमीन पर गिर गई, जिससे फिके को वहां से सुरक्षित निकल जाने का मौका मिल गया।

टॉलीवुड

'वाझा 2' ने तोड़े रिकॉर्ड, सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पांचवीं मलयालम फिल्म

बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर 2' और 'भूत बंगला' के अलावा जिस फिल्म ने अपना दम दिखाया है, वह मलयालम फिल्म 'वाझा 2' है। यह मलयालम सिनेमा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पांचवी फिल्म बन गई है। मलयालम सिनेमा अपनी अलग कहानी और परंपरा के लिए जाना जाता है। इन दिनों जो मलयालम फिल्म सबसे ज्यादा चर्चा में है, वह है 'वाझा 2: बायोपिक ऑफ अ बिलियन बॉयज'। लोगों की तारीफ की बदौलत इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया है। यह एक ब्लॉकबस्टर फिल्म बनकर उभरी है। इसने अपनी रिलीज के सिर्फ 17 दिनों के अंदर ही दुनिया भर में 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। यह फिल्म 2 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। सोमवार को इसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 2.05 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। आज खबर लिखे तक इसने 55 लाख रुपये कमाए हैं। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इसका टोटल कलेक्शन 109.75 करोड़ रुपये हो गया है। 19 दिनों में इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 209 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। यह फिल्म इसलिए कामयाब हुई क्योंकि इसे भारत में दर्शकों ने खूब प्यार दिया। इसके अलावा इस फिल्म को विदेशों खासकर खाड़ी देशों में खूब प्यार मिला है। खास बात यह है कि 'वाझा 2' 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली पांचवीं मलयालम फिल्म बन गई है।

'वाझा 2' से पहले मलयालम की चार फिल्मों ने सबसे ज्यादा कमाई की है। पहले नंबर पर कल्याणी प्रियदर्शन की 'लोका चैप्टर 1: चंद्रा' (2025) है। इसने दुनिया भर में कुल 303 करोड़ रुपये की कमाई की। दूसरे नंबर पर मोहनलाल की 'एल 2: एम्पुरान' (2025) है।

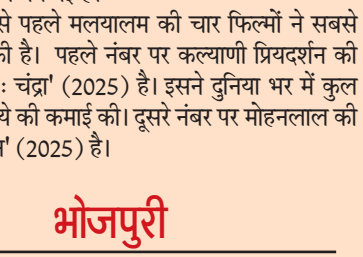

भोजपुरी

अक्षरा का गाना 'दहेजवा कसाई' आंखों में ला देगा आंसू, दहेज के लालची बन रहे कसाई

अक्षरा सिंह की लेटेस्ट फिल्म 'अम्बे है मेरी मां' का नया गाना रिलीज हो गया है। इस गाने का टाइटल है, 'दहेजवा कसाई', जिसमें दहेज के लालची ससुराल वाले अक्षरा सिंह को इसलिए परेशान कर रहे हैं, क्योंकि वह गरीब घर से हैं। समय के साथ भोजपुरी सिनेमा में भी बड़ा बदलाव आ रहा है। अब सिनेमा में फीमेल ओरिएंटेड और सामाजिक संदेश देने वाली फिल्में बनने लगती हैं। अक्षरा सिंह, आम्रपाली दुबे, अंजना सिंह और रानी चटर्जी बिना मेन लीड के फिल्म को हिट कराने की ताकत रखती हैं। फिल्में भी पारिवारिक से हटकर समाज की कुरीति पर प्रहार करने वाली बन रही हैं। ऐसी ही अक्षरा सिंह की फिल्म का दिल को झकझोर कर रख देने वाला गाना 'दहेजवा कसाई' रिलीज हो गया है, जिसे देखने के बाद किसी भी बेटी और माता-पिता के आंसू आना तय है।

समाज में भले ही कितनी आधुनिकता आ गई हो, लेकिन कुछ प्रथाएं आज भी लड़कियों के माता-पिता के लिए अभिशाप की तरह काम कर रही हैं। उन्हीं में से एक प्रथा दहेज प्रथा है। दहेज की लालची ससुराल वालों की दुष्टता और बेटी की बेबसी पर बना अक्षरा सिंह का नया गाना 'दहेजवा कसाई' बहुत पसंद किया जा रहा है।

गाने के बोल भावुक कर देने वाले हैं, जिसमें दहेज के लालची ससुराल वाले अक्षरा सिंह को इसलिए परेशान कर रहे हैं, क्योंकि वह गरीब घर से हैं और दहेज नहीं लाई।

लाल का जलवा

'रेड फीवर' एक प्रमुख फैशन ट्रेंड के तौर पर चमकीले लाल रंग की वापसी को दिखाता है। यह ऊर्जा, जुनून और सशक्तिकरण का प्रतीक है। इसमें पूरी तरह से लाल रंग के आउटफिट शामिल हैं। ड्रेस से लेकर टेलरिंग तक और बैग व बूट जैसे खास एक्सेसरीज़ भी। डिज़ाइनर और मशहूर हस्तियाँ, दोनों ही इस ज़ोरदार और आत्मविश्वास से भरे रंग को अपना रहे हैं, और अक्सर एक ही रंग वाले (मोनोक्रोम) लुक को चुन रहे हैं।

शादी-पार्टी में पहनें ऐसा लहंगा, तारीफ करते नहीं थकेंगे लोग

सर्दी के मौसम में शादी होती है, तो कपड़ों को लेकर किसी तरह की परेशानी नहीं होती, क्योंकि सर्दी के इस मौसम में लड़कियां भारी-भरकम लहंगे पहनकर अपना जलवा बिखेरती हैं। परेशानी तो गर्मी के मौसम में सामने आती है क्योंकि चिलचिलाती गर्मी में भारी लहंगा पहनने में काफी दिक्कत होती है। दुल्हन का भारी लहंगा तो जरूरी होता है, लेकिन अगर आप चाहें तो अपने परिवार की या दोस्त की शादी में हल्का लहंगा कैरी कर सकती हैं। गर्मी के मौसम में कॉटन, नेट, ऑर्गेंजा, सिल्क के लहंगे पहनने में काफी सही माने जाते हैं। इस फैब्रिक के लहंगे में अगर हल्का वर्क होगा, तो आपका लुक और अच्छा लगेगा। फैब्रिक के साथ-साथ गर्मियों में हल्के रंग के लहंगे ही बनवाना चाहिए। इस मौसम में शादी के लिए पाउडर ब्लू, मिंट ग्रीन, कोरल, पीच, लवेंडर, ब्लश पिंक, और आइवरी रंग के लहंगे परफेक्ट रहते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी बॉलीवुड अभिनेत्रियों के लहंगा लुक दिखाने जा रहे हैं, जो गर्मी के मौसम के लिए परफेक्ट हैं।

फ्लोरल की मांग

अगर आपको फ्लोरल प्रिंट पसंद है, तो कैटरीना कैफ के जैसा लाल और पीले रंग का फ्लोरल प्रिंट का लहंगा आपके लिए बेहतर विकल्प है। ऐसा लहंगा काफी हल्का होता है। ऐसे में आप इसे शादी से लेकर शादी की रस्मों में भी कैरी कर सकती हैं।

हल्के रंग की भी डिमांड

हल्के रंग का लहंगा तलाश रहीं हैं, तो आप आथिया शेट्टी के जैसा लहंगा अपने लिए तैयार करा सकती हैं। इस रंग का लहंगा गर्मी में पहनने से आपको किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। इसके साथ अगर आप बालों में जूड़ा बनाएंगी, तो आपका लुक प्यारा दिखेगा।

पैरों की डेड स्किन हटाने के लिए अपनाएं खास तरीके

पैरों में डेड स्किन का जमा हो जाना बेहद ही आम बात है। हालांकि, पैरों की डेड स्किन सेल्स को रिमूव करने के लिए आप एक नहीं, बल्कि कई तरीके अपना सकती हैं। अमूमन पैरों की फटी स्किन को रिमूव करने के लिए प्यूमिक स्टोन का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन डेड स्किन सेल्स को रिमूव करने का यही एकमात्र तरीका नहीं है, बल्कि आप इसके अलावा भी अन्य कई तरीकों से डेड स्किन सेल्स को रिमूव कर सकते हैं। आपको कुछ ऐसे आसान तरीकों के बारे में जानना चाहिए, जिन्हें अपनाकर आप पैरों की डेड स्किन सेल्स को बिना किसी परेशानी के रिमूव कर सकते हैं-

फुट स्क्रब का करें इस्तेमाल

पैरों की डेड स्किन को रिमूव करने का एक आसान तरीका फुट स्क्रब है। आप खासतौर से पैरों के लिए डिजाइन किए गए फ़ुट स्क्रब या एक्सफ़ोलिएटिंग स्क्रब मार्केट से खरीद सकते हैं। अगर आप मार्केट से फुट स्क्रब नहीं खरीदना चाहते हैं तो ऐसे में शुगर, कॉफी या ओटमील जैसे इंग्रीडिएंट्स की मदद से खुद घर पर भी फुट स्क्रब बनाया जा सकता है।

प्यूमिक स्टोन का करें इस्तेमाल

प्यूमिक स्टोन अक्सर हम सभी के बाथरूम में होता ही है। अपने पैरों की केयर करने के लिए हम सभी लगभग हर दिन प्यूमिक स्टोन का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, प्यूमिक स्टोन से आपके पैरों को किसी तरह की परेशानी ना हो, इसलिए आपको इसे सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए। सबसे पहले आप अपने पैरों की स्किन को मुलायम करने के लिए अपने पैरों को लगभग 10-15 मिनट तक गर्म पानी में भिगोएं, फिर प्यूमिक स्टोन को सर्कुलर मोशन में धीरे से रगड़ें। आप देखेंगे कि सारी डेड स्किन सेल्स आसानी से रिमूव हो गई है।

फुट फाइल्स का करें इस्तेमाल

पैरों की डेड स्किन सेल्स को रिमूव करने के लिए आप फुट फाइल्स या पेडीक्योर फ़ाइल्स का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। यह भी प्यूमिक स्टोन की ही तरह पैरों की डेड स्किन सेल्स को रिमूव करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। आप इन्हें अपनी ड्राई स्किन पर इस्तेमाल कर सकते हैं।

परफेक्ट लिपस्टिक के लिए होंठों का ऐसे रखें ख्याल

बदलते मौसम के दौरान जहां हम त्वचा की काफी केयर करती हैं तो वहीं लिप्स की भी केयर करना जरूरी है। अगर आपके लिप्स ड्राई या फट गए हैं तो आप होंठों पर परफेक्ट लिपस्टिक भी नहीं लगा पाएंगी। वहीं ऐसे में जरूरी है होंठों का खास ख्याल रखा जाए। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें आप लिप्स की केयर करने के लिए फॉलो कर सकती हैं।

मॉइस्चराइजर का करें इस्तेमाल

जहां आप चेहरे पर मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करती हैं तो वहीं लिप्स को मॉइस्चराइजर करना जरुरी हैं। मॉइस्चराइजर करने लिप्स में नमी बनी रहेगी साथ ही ऐसे करें से ब्लड सर्कुलेश बढ़ता हैं और होंठोंके फटने की समस्या भी कम ही सकती हैं।

नारियल के तेल

लिप्स को मॉइस्चराइज करने के लिए नारियल के तेल का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। नारियल तेल में कई सारे गुण होते हैं और ये सभी गुण बालों और त्वचा के साथ-साथ लिप्स के लिए भी फायदेमंद हैं वहीं लिप्स की केयर करने के लिए आप लिप्स पर नारियल के तेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। नारियल तेल का इस्तेमाल करने से फटे होंठोंकी समस्या से निजात मिलेगी तो वहीं होंठ मुलायम और चमकदार भी होगे।

शहद

फटे को होंठों करने के लिए शहद का भी इस्तेमाल किया जा सकता हैं शहद में कई सारे पोषक तत्व होते हैं जो त्वचा के लिए फायदेमंद हैं वहीं फटे हुए होठों के लिए भी शहद बेस्ट रेमेडी है।

घर पर रखी पुरानी चुन्नी से बनाएं लटकन

किसी भी एथनिक आउटफिट में ग्रेस एड करने के लिए आजकल लोग लटकन लगाते हैं। ब्लाउज हो या लहंगा हर किसी में यह लगाई जाती है। कई सारे लोग इसे मार्केट से जाकर खरीदते हैं। जहां पर अलग-अलग डिजाइन की लटकन मिलती है। लेकिन वो वर्क होने की वजह से महंगी मिलती है। ऐसे में आप चाहें तो इसे घर पर रखे पुराने दुपट्टे का इस्तेमाल करके इसे तैयार कर सकती हैं। इससे आपका दुपट्टा भी दोबारा इस्तेमाल में आ जाएगा। साथ ही आपके पैसे भी कम खर्च होंगे।

प्लेन दुपट्टे से लटकन

अगर आपके पास प्लेन सिल्क कपड़े का दुपट्टा रखा है तो इससे आप लटकन बनवाएं। इसके लिए आपको कपड़े को तकिए के शेप में काटना है। फिर इसमें आप एक्स्ट्रा कपड़े को इसमें भरना है। अब चारो तरफ सिलाई करनी है। इसे फैंसी बनाने के लिए आप इसमें मिरर, स्टोन और सीक्वेंस को लगा सकती हैं नीचे की तरफ लंबी लटकन लगाकर टेस्ल लगाएं। इससे आपकी लटकन मात्र 20 रुपये में बनकर तैयार हो जाएगी।

मल्टी कलर लटकन

लटकन के लिए आप अलग-अलग कलर के दुपट्टे का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आपको पहले तीकोने डिजाइन में कपड़ों की कटिंग करनी है। इसके बाद इसकी सिलाई करनी है। गोल लटकन बनाने के लिए आपको कपड़ों को इकट्ठा करके बॉल बनानी है फिर उसमें अपनी पसंद के दुपट्टे के कपड़े को फोल्ड करके सिलाई करनी है। इसे और सुंदर बनाने के लिए इसमें गोटे से बने फूल लगा सकती हैं। लटकन के लिए छोटे-छोटे बीड्स का इस्तेमाल करें। इस तरह की मल्टी कलर लटकन को आप लहंगे में लगा सकती हैं। इस तरीके से आपकी लटकन घर पर आसानी से बनकर तैयार हो जाएगी।

गोटा लगाकर बनाएं लटकन

आजकल गोटे से बनी चीजें काफी ट्रेंड में है। आप भी इस तरह की लटकन को आप घर पर तैयार कर सकती हैं। इसके लिए आपको कपड़े को अपनी पसंद के शेप में काटे। इसमें गोटा लगाएं नीचे की तरफ बॉल बनाकर इसमें वेलवेट का कपड़ा लगाकर इसे तैयार करें। ऊपर की तरफ बीड्स और पर्ल लगाएं।

कार्नर न्यूज

बदलाव करें तो नजरें नहीं हटेंगी आप पर से

क्लासी दिखने वार्डरोब में शामिल करें कुछ खास समर ड्रेसेज, ड्रेसिंग सेंस भी होगा इंप्रूव

अगर आप भी अपने ड्रेसिंग सेंस को थोड़ा इंप्रूव करना चाहती हैं तो आपको गर्मियों से ही इसकी शुरुआत करनी चाहिए। इस गर्मी आप भी अपने वार्डरोब में कुछ खास समर ड्रेसेज शामिल कर सकती हैं। समर ड्रेसेज काफी ट्रेंड में बना होता है। समर ड्रेसेज को कही भी पहनकर आप जा सकती हैं। चाहे वह ऑफिस हो या फिर कॉलेज हो इसे आप किसी भी तरह से पहन सकती हैं। अपने वार्डरोब में इस गर्मी किस प्रकार की ड्रेस शामिल करें, आपको जानना चाहिए।

फ्लोरल प्रिंट ड्रेस

फ्लोरल प्रिंट ड्रेस गर्मियों में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है। ऐसे में इस गर्मी आपको अपने लिए फ्लोरल प्रिंट ड्रेस ही खरीदना चाहिए। मीशो पर आपको कई तरीके का फ्लोरल प्रिंट ड्रेस मिल जाएंगा। गर्मी के दिनों में डार्क की जगह आपको लाइट कलर पहनना चाहिए। यह आपके लुक को और भी क्लासी बना देगा। इसके साथ आप फ्लैट स्लीपर कैरी कर सकती हैं। यह कंफर्टेबल होने के साथ ही काफी क्लासी लुक भी देता है।

ए लाइन ड्रेस

ए लाइन ड्रेस को आप आसानी से ऑफिस जाने के लिए कैरी कर सकती हैं। यह आपको ऑफिसियल लुक देता है। मीशो पर आपको 200 से 400 रुपये के बीच आसानी से ए लाइन ड्रेस के कई आप्शन देखने को मिल जाएगे। ऐसे में इस गर्मी आपको आनलाइन खुद के लिए ए लाइन ड्रेस जरूर मगवाना चाहिए।

मैक्सी ड्रेस

अगर आपकी सीटिग जॉब है और आपको लंबे समय तक बैठना होता है तो आपको अपने लिए मैक्सी ड्रेस खरीदना चाहिए। बजट में होने के साथ ही यह आपको आसानी से मिल जाएगा। मीशो पर कई सारे मैक्सी ड्रेस आपको 200 से 500 रुपये के अंदर मिल जाएगे। इसे आप यात्रा के समय या फिर ऑफिस या कॉलेज जाते समय पहन सकती हैं। मैक्सी ड्रेस देखने में भी काफी क्लासी लगता है हालांकि इसे आपको हील के साथ कैरी करना चाहिए।

गर्मियों के लिए अपने वॉर्डरोब को हल्का, आरामदायक और स्टाइलिश बनाने के लिए कॉटन/लिनेन की मैक्सी ड्रेस, फ्लोरल प्रिंट्स, ए-लाइन फ्रॉक, और आरामदायक शर्ट ड्रेस शामिल करें। हल्के रंग (पेस्टल शेड्स), ब्रीदेबल फैब्रिक और खुले स्टाइल के कपड़े आपको गर्मी में कूल और स्टाइलिश रखेंगे।

समर वॉर्डरोब के लिए खास टिप्स और ड्रेस

फ्लोरल प्रिंट या हल्के रंगों वाली लंबी ड्रेस आरामदायक होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी दिखती हैं। ए-लाइन और शिफ्ट ढीली और हवादार ड्रेस रोज़मर्रा के उपयोग और ऑफिस के लिए बेस्ट हैं।